सरस्वती श्रुतिमहती महीयताम्

कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय

कामेश्वर नगर, दरभंगा

त्रिवर्षीय शास्त्री-पाठ्यक्रम

(सामान्य एवं प्रतिष्ठा)

सत्र 1997-2000 से प्रवृत्त

(अद्यतन संशोधित)

प्रकाशक

कामेश्वरसिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, कामेश्वर नगर, दरभंगा

सर्वाधिकार सुरक्षित

प्रथम संस्करण - 5000 प्रति प्रकाशन वर्ष - 1998-99 ई.
द्वितीय संस्करण – 2023 ई.

विषय सूची

1. शास्त्रीपाठ्यक्रम: एक झलक

(क) शास्त्री-सामान्य

(ख) शास्त्री प्रतिष्ठा (प्रथम एवं द्वितीय खण्ड)

(ग) शास्त्री-प्रतिष्ठा (तृतीय खण्ड)

2. सामान्य नियम (त्रिवर्षीय शास्त्री-सामान्य परीक्षा)

3. शास्त्री-सामान्य पाठ्यक्रम की रूपरेखा

*4. पाठ्यग्रन्थ - शास्त्री सामान्य - प्रथमखण्ड

*5. पाठ्यग्रन्थ -- शास्त्री सामान्य - द्वितीयखण्ड

6. पाठ्यग्रन्थ - शास्त्री सामान्य - तृतीयखण्ड

7. सामान्य नियम -- (त्रिवर्षीय शास्त्री-प्रतिष्ठा परीक्षा)

*8. पाठ्यक्रम- शास्त्री प्रतिष्ठा -प्रथमखण्ड

*9. पाठ्यक्रम - शास्त्री प्रतिष्ठा -द्वितीयखण्ड

10. पाठ्यक्रम - शास्त्री प्रतिष्ठा -तृतीयखण्ड

परिशिष्ट

1. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा व्यावसायिक शिक्षा के अन्तर्गत स्वीकृत "Functional Sanskrit" का पाठ्यक्रम एवं विशेष निर्देश

2. संगणक विज्ञान (Computer) एवं क्रियात्मक अंग्रेजी (Functional English) पाठ्यक्रम के लिए विशेष निर्देश

3. कामेश्वरसिंह-दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा की परीक्षाओं की मान्यता एवं समकक्षता संबन्धी सरकार के पत्र

---

*1997-98 सत्र की प्रथम खण्ड की परीक्षा 1997 में प्रकाशित प्रथम खण्ड की नवीन नियमावली से संपन्न हो चुकी है। अब 1998-99 सत्र की प्रथम खण्ड की परीक्षा इसी नियमावली/पाठ्यग्रन्थावली से ली जाएगी। द्वितीय खण्ड में सत्र 1998-99 से तथा तृतीय खण्ड में सत्र 1999-2000 से यह पाठ्यक्रम प्रवृत्त होगा।

शास्त्री-पाठ्यक्रम- एक झलक

(क) शास्त्री-सामान्य

पत्र सं०	खण्ड नाम	विषय	अंक
1.	प्रथम खण्ड	संस्कृत व्याकरण	100
		(व्याकरण से भिन्न विषयों के छात्रों के लिए)	
		दर्शन (व्याकरण के छात्रों के लिए)	
	द्वितीय खण्ड	संस्कृत साहित्य (साहित्य से भिन्न विषयों के छात्रों के लिए)	100
		दर्शन (साहित्य के छात्रों के लिए)	
	तृतीय खण्ड	संस्कृत वाङ्मय का इतिहास	100
2.	प्रथम खण्ड	राष्ट्रभाषा (हिन्दी) (हिन्दी भाषियों के लिए)	100
	द्वितीय खण्ड	अथवा	
		(क) राष्ट्रभाषा हिन्दी (अहिन्दी भाषियों के लिए)	50
		(ख) मातृभाषा (मैथिली/भोजपुरी)	50
	तृतीय खण्ड	(क) सामान्य अध्ययन	50
		(ख) प्राचीन भारतीय संस्कृति	50
3.	प्रथम खण्ड	प्रथम शास्त्रीय विषय	100
	द्वितीय खण्ड	(प्रथम शास्त्रीय विषय के रूप में अंकित	
	तृतीय खण्ड	विषयों में से कोई एक विषय)	
4.	प्रथम खण्ड	द्वितीय शास्त्रीय विषय	100
	द्वितीय खण्ड	(द्वितीय शास्त्रीय विषय के रूप में अंकित विषयों में	
	तृतीय खण्ड	से कोई एक विषय। यह विषय प्रथम शास्त्रीय	
		विषय से भिन्न होना चाहिए)	
5.	प्रथम खण्ड	आधुनिक विषय	100
	द्वितीय खण्ड	(आधुनिक विषय पर अंकित विषयों में से	
	तृतीय खण्ड	कोई एक विषय)	
6.	प्रथम खण्ड		
	द्वितीय खण्ड	संगणक-विज्ञान (Computer)	100
	तृतीय खण्ड		

विशेष- शास्त्री सामान्य प्रथम खण्ड, द्वितीय खण्ड एवं तृतीय खण्ड में संगणक-विज्ञान (Computer) का पाठ्यक्रम षष्ठ पत्र के रूप में निर्धारित है। संगणक-विज्ञान (Computer) पाठ्यक्रम को लागू करने की अनुमति जिन महाविद्यालयों को विश्वविद्यालय से प्राप्त है, उन्हीं महाविद्यालयों के छात्र अतिरिक्त विषय एवं पत्र के रूप में इस विषय को ले सकते हैं। संगणक विज्ञान विषयक छात्रों को आधुनिक विषय के रूप में पञ्चम पत्र का विषय

क्रियात्मक अंग्रेजी (Functional English) रखना अनिवार्य होगा। संगणक-विज्ञान (Computer) पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में विशेष निर्देश इस पुस्तिका के परिशिष्ट भाग में द्रष्टव्य है।

(ख) शास्त्री प्रतिष्ठा (प्रथम एवं द्वितीय खण्ड)

पत्र सं.	खण्ड नाम	विषय	अंक
1.	प्रथम खण्ड	संस्कृत व्याकरण	100
		(व्याकरण से भिन्न विषयों के छात्रों को लिए)	
		दर्शन	
		(व्याकरण के छात्रों के लिए)	
	द्वितीय खण्ड	संस्कृत साहित्य	100
		(साहित्य से भिन्न विषयक छात्रों के लिए)	
		दर्शन	
		(साहित्य के छात्रों के लिए)	
2.	प्रथम खण्ड	राष्ट्रभाषा (हिन्दी)	100
	द्वितीय खण्ड	(हिन्दी भाषियों को लिए)	
		अथवा	
		(क) राष्ट्रभाषा हिन्दी- 50 (अहिन्दी भाषियों के लिए)	100
		(ख) मातृभाषा - 50 (मैथिली/भोजपुरी)	
3-4	प्रथम खण्ड	प्रतिष्ठाविषयक 1, 2 पत्र	200
		(प्रतिष्ठा विषय के रूप में अंकित विषयों में से कोई एक विषय)	
	द्वितीय खण्ड	प्रतिष्ठाविषयक 3, 4 पत्र	200
		(प्रतिष्ठा विषय के रूप में अंकित विषयों में से कोई एक विषय)	
5.	प्रथम खण्ड	द्वितीय शास्त्रीय विषय	100
		(द्वितीय शास्त्रीय विषय के रूप में अंकित विषयों में से कोई एक विषय। यह विषय प्रतिष्ठा विषय से भिन्न होना चाहिए।)	
	द्वितीय खण्ड	द्वितीय शास्त्रीय विषय	100
		(द्वितीय शास्त्रीय विषय के रूप में अंकित विषयों में से कोई एक विषय। यह विषय प्रतिष्ठा विषय से भिन्न होना चाहिए।)	
6.	प्रथम खण्ड	आधुनिक विषय	100
		(आधुनिक विषय के रूप में अंकित विषयों में से एक विषय)	
	द्वितीय खण्ड	आधुनिक विषय	100
		(आधुनिक विषय के रूप में अंकित विषयों में से एक विषय)	
7.	प्रथम खण्ड	संगणक-विज्ञान (Computer)	100

	द्वितीय खण्ड	संगणक-विज्ञान (Computer)	100

(ग) शास्त्री-प्रतिष्ठा (तृतीय खण्ड)

1.	तृतीय खण्ड-	संस्कृत वाङ्मय का इतिहास	100
2.	,,	(क) सामान्य अध्ययन- 60 (ख) प्राचीन भारतीय संस्कृति- 40 अथवा क्रियात्मक अंग्रेजी (Functional English)	100
	(सप्तम पत्र में संगणक विज्ञान के छात्रों के लिए क्रियात्मक अंग्रेजी विषय अनिवार्य है)		
3-6	,,	प्रतिष्ठा विषयक 5-8 पत्र 100x4 (प्रतिष्ठा विषय के रूप में अंकित विषयों में से एक विषय)	400
7	,,	संगणक-विज्ञान (Computer)	100

विशेष- शास्त्री प्रतिष्ठा प्रथम खण्ड एवं द्वितीय खण्ड में संगणक विज्ञान सप्तम पत्र में निर्धारित किया गया है । संगणक विज्ञान विषयक छात्रों को पञ्चमपत्र में आधुनिक विषय के रूप में क्रियात्मक अंग्रेजी (Functional English) रखना अनिवार्य होगा।

शास्त्री प्रतिष्ठा तृतीय खण्ड में भी संगणक विज्ञान सप्तम पत्र में निर्धारित किया गया है। संगणक विज्ञान विषयक छात्रों को अनिवार्य द्वितीय पत्र में क्रियात्मक अंग्रेजी (Functional English) रखना अनिवार्य होगा।

संगणक-विज्ञान (Computer) पाठ्यक्रम को लागू करने की अनुमति जिन महाविद्यालयों को विश्वविद्यालय से प्राप्त है, उन्हीं महाविद्यालयों के छात्र अतिरिक्त विषय एवं पत्र के रूप में इस विषय को ले सकते हैं। संगणक-विज्ञान (Computer) पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में विशेष निर्देश इस पुस्तिका के परिशिष्ट भाग में द्रष्टव्य है।

सामान्य नियम

त्रिवर्षीय शास्त्री सामान्य परीक्षा

1. **शास्त्री सामान्य परीक्षा में तीन खण्ड होंगे** - (क) प्रथम (ख) द्वितीय एवं (ग) तृतीय। प्रत्येक खण्ड का पाठ्यक्रम एक-एक वर्ष का होगा, जिसकी परीक्षा प्रतिवर्ष विश्वविद्यालय द्वारा ली जायगी। प्रत्येक खण्ड में अनिवार्य और ऐच्छिक विषयों के 5-5 पत्र होंगे और षष्ठ पत्र अतिरिक्त होगा। प्रति पत्र पूर्णांक-100 रहेगा। तीनों खण्डों के अनिवार्य और ऐच्छिक विषयों में प्राप्त अंकों के योग के आधार पर ही श्रेणी का निर्धारण होगा। प्रत्येक खण्ड के लिए लब्धांक पत्र निर्गत किया जाएगा किन्तु मूल प्रमाणपत्र तृतीय खण्ड की परीक्षोत्तीर्णता के अनन्तर ही प्रदान किया जाएगा।
2. **दो पत्रों में अनुत्तीर्णता की स्थिति-** यदि कोई परीक्षार्थी प्रथम या द्वितीय खण्ड के अनिवार्य और ऐच्छिक विषयों में एक या दो पत्रों में अनुत्तीर्ण होता है तो भी उसे अग्रिम खण्ड में प्रवेश एवं परीक्षा देने का अधिकार रहेगा। किन्तु तृतीय खण्ड की परीक्षा होने के वर्ष तक उसे पूर्व वर्ष के अनुत्तीर्ण पत्रों में उत्तीर्णता प्राप्त करनी होगी, अनुत्तीर्ण पत्र/पत्रों में परीक्षा देने हेतु परीक्षावेदन पत्र के साथ परीक्षा शुल्क के रूप में आधा शुल्क जमा करना होगा।

3. उत्तीर्णता एवं श्रेणी- शास्त्री सामान्य परीक्षा में अनिवार्य और ऐच्छिक विषयों में प्रति पत्र 100 अंकों में न्यूनतम 33 अंक उत्तीर्णता हेतु अपेक्षित होंगे। किन्तु योगांक में 35% अंक रहना अनिवार्य होगा। श्रेणी निर्धारण का आधार निम्नलिखित रहेगा-

(क) प्रथम श्रेणी- कुल अंकों का 60 % या अधिक

(ख) द्वितीय श्रेणी- कुल अंकों का न्यूनतम 45 % तथा 60 % से कम।

(ग) तृतीय श्रेणी- कुल अंकों का न्यूनतम 35 % तथा 45 % से कम।

तीनों खण्डों में प्राप्त लब्धांकों के आधार पर श्रेणी-निर्धारण होगा।

4. परीक्षा की भाषा -

(क) प्रथम तथा द्वितीय खण्डों में अनिवार्य प्रथम पत्र (संस्कृत व्याकरण, दर्शन तथा संस्कृत साहित्य) एवं दोनों शास्त्रीय विषयों के प्रश्नोत्तर की भाषा संस्कृत और लिपि देवनागरी होगी।

(ख) भाषा सम्बन्धी पत्रों के प्रश्नोत्तर सम्बद्ध भाषा (हिन्दी, अंग्रजी, मैथिली, भोजपुरी) में दिए जायेंगे।

(ग) आधुनिक विषयों के प्रश्नोत्तर का माध्यम हिन्दी भाषा होगी।

(घ) शास्त्री तृतीय खण्ड के प्रथम पत्र में संस्कृत वाङ्मय का इतिहास सम्बन्धी प्रश्नों के उत्तर हिन्दी भाषा में भी लिखे जा सकेंगे।

(ड) इसी प्रकार तृतीय खण्ड में द्वितीय पत्र (सामान्य अध्ययन एवं प्राचीन भारतीय संस्कृति) के उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी में दिए जा सकते हैं।

प्रवेशार्हता-

1. किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय/संस्थान/संस्कृत-समिति से उत्तरमध्यमा/ उपशास्त्री/प्राक्शास्त्री या तत्समकक्ष परीक्षोत्तीर्ण छात्र इस विश्वविद्यालय में अंगीभूत/सम्बद्ध संस्कृत महाविद्यालय में शास्त्री प्रथम खण्ड (सामान्य या प्रतिष्ठा) में नामांकन कराकर नियमित छात्र के रूप में परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं।
2. मान्यता प्राप्त संस्था से संस्कृत विषय में 10+2 या इंटर परीक्षोत्तीर्ण छात्र गणित ज्योतिष, नव्यव्याकरण, नव्यन्याय, वेदान्त एवं मीमांसा को छोड़कर अन्य किसी विषय को लेकर अंगीभूत/सम्बद्ध संस्कृत महाविद्यालय में शास्त्री प्रथम खण्ड (सामान्य/प्रतिष्ठा) में नामांकन कराकर नियमित छात्र के रूप में शास्त्री प्रथम खण्ड की परीक्षा में सम्मिलित हो सकते हैं।

यदि उपर्युक्त कोटि के छात्र उक्त पाँच विषयों (गणित ज्योतिष, नव्यव्याकरण, नव्यन्याय, वेदान्त मीमांसा) में से कोई विषय लेंगे तो शास्त्री तृतीय खण्ड की परीक्षा से पूर्व उन्हें तद्विषयक उपशास्त्री परीक्षा में उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा।

3. किसी मान्यता प्राप्त संस्था/शिक्षा परिषद् से संस्कृत रहित 10+2 या इन्टर परीक्षोत्तीर्ण छात्र गणित ज्योतिष, नव्यव्याकरण, नव्यन्याय, वेदान्त एवं मीमांसा से भिन्न विषय में शास्त्री प्रथम खण्ड में नामांकन ले सकते हैं किन्तु विश्वविद्यालयीय (तृतीय खण्ड) की परीक्षा से पूर्व उन्हें सम्बद्ध विषय में उपशास्त्री की परीक्षा में भी उत्तीर्णता प्राप्त कर लेना आवश्यक होगा।
4. यथोक्त नियमानुसार स्वतंत्र छात्र भी उपर्युक्त परीक्षा में प्रविष्ट हो सकते हैं।
5. **विषय परिवर्तन-**

(क) उपशास्त्री परीक्षा में गृहीत शास्त्रीय विषय ही शास्त्री (सामान्य/प्रतिष्ठा) में शास्त्रीय विषय होगा। उपशास्त्री के वेदविषयक छात्र शास्त्री में किसी भी वेद या कर्मकाण्ड या आगम में नामांकन करा सकते हैं। इसी प्रकार उपशास्त्री में दर्शन विषय के छात्र शास्त्री में कोई भी दर्शन शास्त्रीय विषय के रूप में रख सकते हैं। शास्त्रीय विषय -परिवर्तन की स्थिति में परिवर्तित विषय में शास्त्री प्रथम खण्ड की परीक्षा के साथ ही उपशास्त्री की परीक्षा में बैठ सकते हैं।

(ख) उपशास्त्री परीक्षा में गृहीत आधुनिक विषय ही शास्त्री परीक्षा (सामान्य/प्रतिष्ठा) का आधुनिक विषय होगा। शास्त्री प्रथम खण्ड में गृहीत आधुनिक विषय द्वितीय एवं तृतीय खण्डों में भी रखने होंगे।

(ग) यदि कोई परीक्षार्थी शास्त्री परीक्षा (सामान्य/प्रतिष्ठा) उत्तीर्ण करने के पश्चात् पूर्व गृहीत शास्त्रीय/आधुनिक विषयों से भिन्न किसी अन्य शास्त्रीय/ आधुनिक विषय में उत्तीर्णता प्राप्त करना चाहे तो वह नियमित/स्वतंत्र छात्र के रूप में एक साथ एक ही वर्ष में या पृथक्-पृथक् वर्षों में तीन खण्डों के तद्विषयक पत्रों में प्रविष्ट हो सकता है। किन्तु तीनों खण्डों में उत्तीर्णता प्राप्त करने पर ही उसे उत्तीर्ण घोषित किया जायगा।

(घ) यदि उपशास्त्री में गृहीत किसी आधुनिक विषय का प्रावधान शास्त्री पाठ्यक्रम में नहीं है तो उन विषयों के साथ उत्तीर्ण छात्र शास्त्री परीक्षा में कोई भी आधुनिक विषय ले सकते हैं।

6. आंशिक विषयों की परीक्षा- 7.1.2021 दिवसीय विद्वत् परिषद् के निर्णयानुसार उपशास्त्री स्तर के आंशिक विषयों की परीक्षा महाविद्यालय स्तर पर महाविद्यालयों द्वारा ली जाएगी।

शास्त्री-सामान्य पाठ्यक्रम की रूपरेखा

1. प्रथम खण्ड **पूर्णांक**

(अनिवार्य) प्रथम पत्र **100**

संस्कृत व्याकरण (शास्त्रीय विषय में व्याकरण से भिन्न विषय रखने वालों के लिए)

अथवा

दर्शन (शास्त्रीय विषय में व्याकरण रखने वालों के लिए)

(अनिवार्य) द्वितीय पत्र **100**

राष्ट्रभाषा हिन्दी (हिन्दी भाषियों के लिए)

अथवा

(अहिन्दी भाषियों के लिए)

(क) राष्ट्रभाषा हिन्दी - 50

(ख) मातृभाषा (मैथिली/भोजपुरी)- 50

(ऐच्छिक) तृतीय पत्र **प्रथम शास्त्रीय विषय** **100**

निम्नांकित शास्त्रों में से कोई एक विषय प्रथम शास्त्रीय विषय के रूप में लेना होगा-

1. ऋग्वेद 2. शुक्ल यजुर्वेद 3. कृष्ण यजुर्वेद 4. सामवेद 5. अथर्ववेद 6. कर्मकाण्ड 7. आगम 8. धर्मशास्त्र 9. पुराण 10. गणित ज्योतिष 11. फलित ज्योतिष 12. नव्य व्याकरण 13. प्राचीन व्याकरण 14. साहित्य 15. प्राचीन न्याय 16. नव्य न्याय 17. सर्वदर्शन 18. सांख्य योग 19. मीमांसा 20. शाङ्कर वेदान्त 21. रामानुज वेदान्त 22. माध्व वेदान्त 23. वल्लभ वेदान्त 24. शैवागम 25. जैन दर्शन 26. बौद्ध दर्शन।

(ऐच्छिक) चतुर्थ पत्र **द्वितीय शास्त्रीय विषय** **100**

निम्नांकित शास्त्रों में से कोई एक द्वितीय शास्त्रीय विषय के रूप में लेना होगा-

1. धर्मशास्त्र 2. पुराण 3. कर्मकाण्ड 4. फलित ज्योतिष 5. सर्वदर्शन।

(प्रथम शास्त्रीय विषय से भिन्न विषय ही द्वितीय शास्त्रीय विषय के रूप में लिए जा सकेंगे।

(ऐच्छिक) पंचम पत्र **आधुनिक विषय** **100**

निम्नांकित आधुनिक विषयों में से कोई एक विषय लेना आवश्यक होगा -

1. हिन्दी साहित्य 2. भोजपुरी साहित्य 3. मैथिली साहित्य 4. अंग्रेजी साहित्य 5. अर्थशास्त्र 6. राजनीति विज्ञान 7. समाजशास्त्र 8, इतिहास 9. भूगोल 10. मनोविज्ञान 11. आधुनिक गणित।12. क्रियात्मक अंग्रेजी (Functional English) 13. आधुनिक दर्शन

टि. षष्ठ पत्र में संगणक विज्ञान (Computer) विषय लेने वाले छात्रों को आधुनिक विषय के रूप में पञ्चम पत्र का विषय क्रियात्मक अंग्रेजी (Functional English) रखना अनिवार्य होगा।

(अतिरिक्त) षष्ठ पत्र आधुनिक विषय संगणक विज्ञान (Computer) **100**

2. द्वितीय खण्ड — पूर्णांक

(अनिवार्य) प्रथम पत्र — 100

संस्कृत साहित्य

(शास्त्रीय विषय में साहित्य से भिन्न विषय वालों के लिए)

अथवा

दर्शन

(शास्त्रीय विषय में साहित्य रखने वालों के लिए)

शेष सभी पत्र (2-6 तक) प्रथम खण्ड के ही समान होंगे।

3. तृतीय खण्ड — पूर्णांक

(अनिवार्य) प्रथम पत्र — 100

संस्कृत वाङ्मय का इतिहास

(अनिवार्य) द्वितीय पत्र — 100

(क) सामान्य अध्ययन- 60

(ख) प्राचीन भारतीय संस्कृति- 40

शेष सभी पत्र (3 से 6 तक) प्रथम खण्ड के समान होंगे।

पाठ्यग्रन्थ

त्रिवर्षीय शास्त्री सामान्य

शास्त्री-सामान्य प्रथम खण्ड

(अनिवार्य) प्रथम पत्र -

(क) अनिवार्य संस्कृत व्याकरण 100

(उन छात्रों के लिए जिन्होंने शास्त्रीय विषय के रूप में व्याकरण नहीं लिया है)

निर्धारित पाठ्यग्रन्थ-

लघुसिद्धान्तकौमुदी (पंचसन्धि, समास एवं कारक-प्रकरण)

अंक विभाजन-

(1) पंचसन्धि प्रकरण	(1) सूत्रार्थ एवं उदाहरण 4x5 =	20
	(2) प्रयोग सिद्धि 4x5=	20
(2) समास प्रकरण	(1) सूत्रार्थ एवं उदाहरण 3x5=	15
	(2) प्रयोग सिद्धि 3x5=	15
(3) कारक प्रकरण	(1) सूत्रार्थ एवं उदाहरण 3x5 =	15
	(2) प्रयोग सिद्धि 3x5 =	15

अथवा

(ख) दर्शन 100

(उन छात्रों के लिए जिन्होंने शास्त्रीय विषय के रूप में व्याकरण लिया है)

निर्धारित पाठ्यग्रन्थ -

तर्कसंग्रह - न्यायबोधिनी सहित

अंक विभाजन -

(1) दीर्घोत्तरीय प्रश्न 3x20 = 60

(2) लघूत्तरीय प्रश्न (टिप्पणी, लक्षण आदि) 4x5 = 20

(3) व्याख्या 4x5= 20

(अनिवार्य) द्वितीय पत्र (हिन्दी भाषियों के लिए)

(क) राष्ट्रभाषा हिन्दी 100

(अ) निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ 60

(1) जयद्रथवध- मैथिली शरण गुप्त

(2) निर्मला- प्रेमचन्द

अंक विभाजन

1. दोनों पुस्तकों से एक एक आलोचनात्मक प्रश्न 2x20 = 40

2. दोनों पुस्तकों से एक एक भावार्थलेखन 2x10= 20

(आ) हिन्दी निबन्ध 1x20= 20

(किसी महापुरुष, छात्र जीवन, अथवा मानवीय गुणों से सम्बद्ध)

(इ) हिन्दी व्याकरण 4x5= 20

(लिंग, कारक, संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय)

अथवा

(अनिवार्य) द्वितीय पत्र (अहिन्दी भाषियों के लिए)

(ख) (1) राष्ट्रभाषा हिन्दी - 50

3- निर्धारित पाठ्यग्रन्थ

राजगृह-डॉ० रमाकान्त पाठक- 40

अंक विभाजन-

(1) दो परिचयात्मक प्रश्न -2x15 =30

(2) एक भावार्थ लेखन 1x10= 10

आ-हिन्दी व्याकरण (संज्ञा भेद, लिंग, कारक, वाक्यशुद्धि) 10

(ख)- (2) मातृभाषा मैथिली - 50

अंक विभाजन

पाठ्यग्रन्थ से परिचयात्मक प्रश्न - 1x15= 15

पाठ्यग्रन्थ से व्याख्या 1x10 = 10

निबन्ध 1x15= 15

मिथिलाक्षर ज्ञान 1x10= 10

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ

(1) आशा दिशा - श्री चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'

(पाठ्यांश - जय गण भारति, मिथिला गौरव, 15 अगस्त, नवमुण्डमाल गाँथ, पर्वत शिखर कैं तोड़ि, मनुसन्तान, युवक सँ. ई देश हमर, कृषक गीत, कहू कुशल)

अथवा

मोलायम पाथर - डॉ० विद्याधर मिश्र

(पाठ्यांश - कविकल्पना, सत्ते छहक बताह, पिताक पत्र, लोक किन्नहु ने विशरत, चाननक गाछ, आत्मदीप, मोलायम पाथर, कोकिले एखन निःशब्द रहू)

2. मिथिलाक्षर अभ्यास पुस्तक - अ० भा० मैथिली साहित्य परिषद् दरभंगा

(पाठ्यांश - स्वर- व्यंजन वर्ण आ मात्रा प्रयोग, अनुस्वार विसर्ग सहित)

अथवा

(ख) (2) मातृभाषा भोजपुरी 50

(अ) निर्धारित पाठ्य पुस्तक - हम कुन्ती ना हई (कहानी संग्रह)- भोजपुरी संस्थान, पटना

लेखक- पाण्डेय चन्द्रविनोद

अंकविभाजन - दू गो परिचयात्मक प्रश्न 2x15= 30

(आ) हिन्दी से भोजपुरी में अनुवाद 20

(ऐच्छिक) तृतीय पत्र - प्रथम शास्त्रीय विषय

निम्नांकित शास्त्रों में से कोई एक विषय प्रथम शास्त्रीय विषय के रूप में लेना होगा।

1. ऋग्वेद, 2. शुक्ल यजुर्वेद 3. कृष्ण यजुर्वेद 4. सामवेद 5. अथर्ववेद 6. कर्मकाण्ड 7. आगम 8. धर्मशास्त्र 9. पुराण 10. गणित ज्योतिष 11. फलित ज्योतिष 12. नव्य व्याकरण 13. प्राचीन व्याकरण 14. साहित्य 15. प्राचीन न्याय 16. नव्य न्याय 17. सर्वदर्शन 18. सांख्य योग 19. मीमांसा 20. शाङ्कर वेदान्त 21. रामानुज वेदान्त 22. माध्व वेदान्त 23. वल्लभ वेदान्त 24. शैवागम 25. जैन दर्शन 26. बौद्ध दर्शन।

1. ऋग्वेद

(क) ऋग्वेद-प्रथममण्डल (सायणभाष्य सहित) 60

अंक विभाजन

(1) आलोचनात्मक (दीर्घोत्तरीय प्रश्न) 2x15= 30

(2) व्याख्या/ भावार्थ 3x10= 30

(ख) आश्वलायनगृह्यसूत्र (नारायणी वृत्ति सहित) 40

(i) आलोचनात्मक प्रश्न1x20= 20

(ii) व्याख्या/ भावार्थ 2x10= 20

2. शुक्ल यजुर्वेद

(क) शुक्ल यजुर्वेद संहिता (अध्याय 1 से 3) (महीधर भाष्य सहित) 60

(ख) पारस्करगृह्यसूत्रम् (हरिहरभाष्य सहित) 40

3. कृष्ण यजुर्वेद

(क) तैत्तिरीय संहिता (सप्तम काण्ड) 60

(ख) आपस्तम्बीय गृह्यसूत्र (पूर्वार्द्ध) 40

4. सामवेद

(क) सामसंहिता (पूर्वार्चिक अध्याय 1-2) (सायण भाष्य सहित) 60

(ख) गोभिल गृह्यसूत्र (आरम्भ से चतुर्थीकर्म प्रयोगान्त) 40

5. अथर्ववेद

(क) अथर्ववेद संहिता (1-2 अध्याय) (सायण भाष्य सहित) 60

(ख) कौशिक सूत्रम् (1 से 4 अध्याय) 40

(द्रष्टव्यः -क्रमांक 2 से 5 तक का अंकविभाजन क्रमांक 1 (ऋग्वेद) की तरह होगा)

6. कर्मकाण्ड

(क) संस्कारभास्कर: (आचाराध्याय) 50

(i) आलोचनात्मक प्रश्न - 2x15=30

(ii) लघूत्तरीय प्रश्न -4x5=20

(ख) याज्ञवल्क्यस्मृतिः (आचाराध्याय) 50

(i) आलोचनात्मक प्रश्न 2x15=30

(ii) लघूत्तरीय प्रश्न 4x5=20

7. आगम

(क) मन्त्रमहोदधि (1 से 8 तरंग पर्यन्त) 60

(i) आलोचनात्मक प्रश्न 2x20=40

(ii) लघूत्तरीय 4x5=20

(ख) त्रिपुरोपनिषद् (भास्कर राय कृत टीका सहित) 40

(i) आलोचनात्मक प्रश्न - 2x15 = 30

(ii) लघूत्तरीय प्रश्न 2x5= 10

8. धर्मशास्त्र

मनुस्मृति (4-6 अध्याय) (मन्वर्थमुक्तावली सहित) 100

(i) आलोचनात्मक प्रश्न (दीर्घोत्तरीय) 3x20=60

(ii) लघूत्तरीय प्रश्न (टिप्पणी, लक्षण आदि) 4x5=20

(ii) श्लोक का भावार्थ / अनुवाद 2x10=20

9. पुराण

वाल्मीकि रामायणम् (बालकाण्ड) 100

(i) आलोचनात्मक प्रश्न 3x20= 60

(ii) लघूत्तरीय प्रश्न 4x5=20

(iii) श्लोक का भावार्थ/अनुवाद 2x10=20

10. गणितज्यौतिष

(क) सरल त्रिकोणमिति 3x20= 60

(ख) रेखा गणित (षष्ठ अध्याय) 1x20= 20

(ग) रेखा गणित (एकादश अध्याय) 1x20= 20

11. फलितज्यौतिष

(क) वराह मिहिरकृत लघुजातक 60

(i) आलोचनात्मक (दीर्घोत्तरीय) प्रश्न 2x20= 40

(ii) लघूत्तरीय प्रश्न 4x5= 20

(ख) जन्मपत्र दीपकः (विन्ध्येश्वरी प्र० द्विवेदी) 40

अलोचनात्मक 2x15= 30

लघूत्तरीय 2x5= 10

12. नव्य व्याकरण

(क) प्रौढमनोरमा (मूलमात्र अव्ययीभावान्त) 80

(ख) प्रयोगदर्पण - म. म. परमेश्वर झा 20

(सहायक ग्रन्थ- प्रयोगपल्लव – सं. - डॉ. शशिनाथ झा)

13. प्राचीन व्याकरण

(क) व्याकरण महाभाष्य (1 से 7 आह्निक) 100

14. साहित्य

(क) शिशुपालवध (1 -2 सर्ग) 50

अंकविभाजन -

आलोचनात्मक प्रश्न 1x20= 20

श्लोक व्याख्या 2x10= 20

श्लोकार्थ / अनुवाद 2x5=10

(ख) साहित्य दर्पण (1-2 परिच्छेद) 2x15= 30

(ग) छन्दोमंजरी - (लक्षण एवं उदाहरण) 5x4= 20

15. प्राचीनन्याय

किरणावली (द्रव्यप्रकरणान्ता) 100

अंक विभाजन

(i) आलोचनात्मक (दीर्घोत्तरीय) प्रश्न 3x20= 60

(ii) लघूत्तरीय प्रश्न (टिप्पणी, लक्षण आदि) 4x5=20

(iii) अर्थ/व्याख्या 2x10 = 20

16, नव्यन्याय	सिद्धान्तलक्षण	100
17. सर्वदर्शन	तर्कभाषा	100
18. सांख्ययोग	सांख्यकारिका	100
19. मीमांसा	मीमांसान्यायप्रकाश	100
20. शांकर वेदान्त	ब्रह्मसूत्र शांकरभाष्यम् (प्रथम अध्याय)	100
21. रामानुजवेदान्त	श्रीभाष्यम् (1-2 अध्याय)	100
22. माध्ववेदान्त	मध्वमुखालंकार (श्री वनमालि प्रणीत)	100
23. वल्लभवेदान्त	ईश-केन-कठोपनिषदः	100
24.शैवागम	शैवपरिभाषा	100
25. जैनदर्शन	प्रमेयरत्नमाला	100
26. बौद्धदर्शन	न्यायबिन्दु	100

(द्रष्टव्य-क्रमांक 16 से 26 तक अंक विभाजन क्रमांक 15 (प्राचीन न्याय) की तरह होगा)

(ऐच्छिक) चतुर्थपत्र - द्वितीय शास्त्रीय विषय 100

निम्नांकित शास्त्रों में से कोई एक शास्त्र द्वितीय शास्त्रीय विषय के रूप में लेना होगा। किन्तु प्रथम शास्त्रीय विषय के रूप में गृहीत विषय से भिन्न विषय ही द्वितीय शास्त्रीय विषय के रूप में लिए जा सकेंगे।

1. धर्मशास्त्र 2. पुराण 3. कर्मकाण्ड 4. फलित ज्यौतिष 5. सर्वदर्शन 6. व्यावसायिक संस्कृत (Functional Sanskrit)

1. धर्मशास्त्र	मनुस्मृति (4-6 अध्याय)	100
	(i) आलोचनात्मक प्रश्न 3x20=60	
	(ii) लघूत्तरीय प्रश्न 4x5=20	
	(iii) श्लोक का भावार्थ 2x10=20	
2. पुराण	वाल्मीकि रामायण (बालकाण्ड)	100
	(i) आलोचनात्मक प्रश्न 3x20=60	
	(ii) लघूत्तरीय प्रश्न 4x5=20	
	(iii) श्लोक का भावार्थ/अनुवाद 2x10=20	
3. कर्मकाण्ड	(क) संस्कार भास्कर (वर्धापन प्रयोगान्त)	50
	(i) आलोचनात्मक प्रश्न 2x15=30	
	(ii) लघूत्तरीय प्रश्न 4x5=20	
	(ख) याज्ञवल्क्य स्मृति (आचाराध्याय)	50
	(i) आलोचनात्मक प्रश्न 2x15=30	
	(ii) लघूत्तरीय प्रश्न 4x5=20	
4. फलित ज्योतिष	(क) वराह मिहिरकृत लघुजातक	60
	(i) दीर्घोत्तरीय प्रश्न 2x20=40	
	(ii)लघूत्तरीय प्रश्न 4x5= 20	
	(ख) जन्मपत्र दीपक (विन्ध्येश्वरी प्र. द्विवेदी)	40
	(i) आलोचनात्मक 2x15= 30	
	(ii) लघूत्तरीय 2x5 = 10	
5. दर्थन	तर्कभाषा	100

6. व्यावसायिक संस्कृत (Functional Sanskrit)

(व्यावसायिक संस्कृत (Functional Sanskrit) के पाठ्यक्रम एवं विशेष निर्देश इस पुस्तक के परिशिष्ट -1 में निर्दिष्ट हैं)

(ऐच्छिक) पंचम पत्र- आधुनिक विषय

1. हिन्दी साहित्य 2. भोजपुरी साहित्य 3. मैथिली साहित्य 4. अंग्रेजी साहित्य 5. अर्थशास्त्र 6. राजनीति विज्ञान 7. समाजशास्त्र 8. इतिहास 9. भूगोल 10. मनोविज्ञान 11. आधुनिक गणित12. क्रियात्मक अंग्रेजी (Functional English)

(1) हिन्दी साहित्य

पाठ्यग्रन्थ (क) यशोधरा- मैथिली शरण गुप्त 50

अंक विभाजन

(i) आलोचनात्मक प्रश्न 2x15=30

(ii) सप्रसंग व्याख्या 2x10=20

(ख) हिन्दी साहित्य का इतिहास– 2x15= 30

(काल विभाजन एवं नामकरण)

(ग) अलंकार (लक्षण एवं उदाहरण) 4x5= 20

अलंकार- यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, प्रतीप,

अतिशयोक्ति, दृष्टान्त, काव्यलिंग, व्याजोक्ति, दीपक,

निदर्शना, भ्रान्तिमान्, अप्रस्तुतप्रशंसा

(2) भोजपुरी साहित्य - 100

पाठ्य ग्रन्थ (क) 'विहार विश्वविद्यालय भोजपुरी-पद्य संग्रह

मात्र निम्नलिखित कवि लोगन के कविता -

(i) 'धरनीदास (2) केसरी (3) प्रभात (4) प्रणयी (5) काश्यप

(6) पाण्डय कपिल (7) प्रभुनाथ सिंह

(ख) 'हीरामोती' - विहार विश्वविद्यालय भोजपुरी परिषद् से प्रकाशित ।

अंकविभाजन -

(i) ऊपर लिखित दूनो ग्रन्थ से दू-दू गो आलोचनात्मक प्रश्न 4x20=80

(ii) (क) ग्रन्थ से दू गो पद्य के व्याख्या 2x10=20

(3) मैथिली - साहित्य 100

अंकविभाजन

पाठ्यग्रन्थ सें आलोचनात्मक प्रश्न 4x15=60

पाठ्यग्रन्थ सँ सप्रसंग व्याख्या 4x10=40

निर्धारित ग्रन्थ -

कोनो दूइ गोट पोथीक अध्ययन अपेक्षित होयत आ प्रत्येक में सँ दू गोट आलोचनात्मक प्रश्न ओ सप्रसंग व्याख्याक उत्तर देय होयत।

1. सूर्यमुखी - आरसी प्रसाद सिंह

2. धरती माता- डॉ. रामदेव झा

3. गद्यश्री - सम्पादक -डॉ. शैलेन्द्र मोहन झा

(पाठ्यांश- (1) वाक् संयम (2) श्रमक महत्व (3) राष्ट्रभाषा ओ भाषा (4) हमर शैशव (5) सलिला देवी सरस्वती (6) इतिहास दर्शन (7) जीवन (8) मैथिली कविता मे देशप्रेमक स्वर (9) युग पुरुष गाँधी (10) भारत राष्ट्र ओ राष्ट्रधर्म।

(4) English Literature 100

1. Prescribed book for Poetry:

"The New golden Treasury"

Edited by - R.C. Prasad & M. Q. Towheed.

The following pieces are prescribed:

(a) All the world's a stage	W. Shakespeare
(b) Death be not proud	John Donne
(c) Virtue	George Herbert
(d) on his blindness	John Milton
(e) A little Learning	Alexander Pope
(f) The Tiger	William Blake
(g) A slumber did my spirit seal	W. Wordsworth
(h) To a Skylark	P. B. Shelly
(i) Home-thought from Abroad	Robert Browning
(j) The wild swans at coole	W.B. Yeats

2. Prescribed book for Drama:

"The silver Box" John Galsworthy

with notes by John Hampden (Allied Publishers Pvt. Ltd.)

3. Prescribed book for grammar

"English grammar (Nes field)

Revised by Aggrawala F. T. Wood.

Division of Marks:

(a) Explanation: -	(i) one out of two from poetry	7.5 marks.
	(ii) one out of two from Drama	7.5 marks.
(b) critical Appreciation of a poem (Two out of four)		2x15=30
(c) critical question on Drama (Two out of four)		2x15=30
(d) Comprehension of a Prose Passage (Unseen)		15
(e) preposition of Phrases		10

Total 100

(5) अर्थशास्त्र 100

सूक्ष्म या व्यष्टि – अर्थशास्त्र

1. अर्थशास्त्र की परिभाषा - शास्त्रीय - नव शास्त्रीय एवं रॉबिन्स की परिभाषा -अर्थशास्त्र की प्रकृति ।
2. उपयोगिता - क्रमागत उपयोगिता - ह्रास-नियम, सम-सीमान्त उपयोगिता नियम, उपभोक्ता की बचत।
3. माँग - माँग का नियम- माँग की लोच का अर्थ एवं प्रकार।
4. उत्पादन - परिभाषा - उत्पादन के साधन- उत्पादन के नियम- उत्पादन -फलन की परिभाषा।
5. बाजार - परिभाषा, पूर्ण प्रतियोगिता - एकाधिकार एवं एकाधिकारी प्रतियोगिता की मुख्य विशेषताएँ।
6. मूल्य-निर्धारण का सामान्य सिद्धान्त।
7. वितरण - वितरण का आधुनिक सिद्धान्त - लगान की परिभाषा एवं रिकार्डो का लगान सिद्धान्त - पूर्ण प्रतियोगिता में मजदूरी-निर्धारण। व्याज का तरलता अधिमान सिद्धान्त, लाभ-कुल लाभ एवं शुद्ध लाभ में अन्तर।

पाठ्यग्रन्थ:

1, अर्थशास्त्र के सिद्धान्त – के. पी. एम.; सुन्दरम् एवं एम. सी. वैश्य रतन प्रकाशन मन्दिर, प्रधान कार्यालय - होस्पीटल रोड आगरा -3 .
2. अर्थशास्त्र के सिद्धान्त – के. पी. जैन - साहित्य भवन-आगरा
3. अर्थशास्त्र के सिद्धान्त – एल. एम. राय, ज्ञानदा प्रकाशन, पटना
4.अर्थशास्त्र के सिद्धान्त - देवेन्द्र प्रसाद सिंह
5. अर्थशास्त्र के सिद्धान्त – डॉ. सुमन
6.सांपुल्स ऑफ इकोनोमिक्स – एम. एल. सेठ, माइक्रो एण्ड मैक्रो

6. राजनीति विज्ञान 100

राजनीतिशास्त्र के सिद्धान्त

1. राजनीतिशास्त्र की प्रकृति, परिभाषा एवं क्षेत्र ।
2. राज्य: परिभाषा, आवश्यक तत्व, प्रकृति एवं उत्पत्ति।
3. संप्रभुता: परिभाषा एवं अर्थ, विभिन्नरूप, विशेषतायें, ऑस्टिन का सिद्धान्त, बहुलवाद।
4. स्वतन्त्रताः अर्थ, परिभाषा, प्रकार, स्वतन्त्रता एवं कानून।
5. समानता: अर्थ, परिभाषा, प्रकार, समानता एवं स्वतंत्रता।
6. प्रजातन्त्र: अर्थ परिभाषा, भेद, सफलता के तत्त्व, गुण-दोष ।
7. कानून: परिभाषा, आवश्यक तत्व, उद्देश्य, वर्गीकरण, स्रोत।
8. जनमत: अर्थ, परिभाषा, महत्त्व, निर्माण के साधन, आवश्यक शर्ते।

9. राजनीतिक दल: परिभाषा, आवश्यक तत्त्व, निर्माण का आधार, कार्य, दलीय पद्धति के गुण-दोष।

10. लोक कल्याणकारी राज्य, समाजवाद ।

11. प्लेटो: आदर्शराज्य, न्याय, शिक्षा।

12. अरस्तू: क्रान्ति के कारण एवं उपाय, दासत्व, नागरिकता।

13. कौटिल्य: सप्तांग सिद्धान्त. मण्डल सिद्धान्त।

14. गान्धी: राज्य सिद्धान्त, सर्वोदय सिद्धान्त, सत्याग्रह।

सहायक ग्रन्थ -

1. राजनीति शास्त्र के मूल सिद्धान्त	डॉ0 गाँधीजी राय
2. राजनीति शास्त्र के सिद्धान्त-	डॉ० वीरकेश्वर प्रसाद सिंह
3. राजनीतिक सिद्धान्त-	डॉ आशीर्वादम्
4. Political Science and Government	G.W. Garner
5. हिन्दू राजशास्त्र	अम्बिका प्रसाद वाजपेयी
6, हिन्दू राजतंत्र	के. पी. जायसवाल
7. राजनीतिक चिंतक	त्यागी तथा रस्तोगी
8.राजनीतिक चिंतक	डॉ० व्रजकिशोर झा
9.राजनीतिक चिंतक	डॉ० इकबाल नारायण

7. समाजशास्त्र 100

समाज शास्त्र के सिद्धान्त

1. विज्ञान के रूप में समाज शास्त्र की प्रकृति एवं क्षेत्र।

2. सामाजिक समूह: अवधारणा, विश्लेषण एवं अर्थ।

3. सन्दर्भ समूह: अवधारणा, निर्धारकों एवं मानव व्यवहारों पर प्रभाव।

4. सामाजिक स्वरूप: अवधारणा एवं तत्त्व।

5. व्यक्ति और समाज: अवधारणा एवं अन्तर-सम्बन्ध।

6. संस्कृति: अवधारणा तत्त्व एवं सांस्कृतिक विडम्बना।

7, सामाजिक नियंत्रण: अवधारणा, अभिकरण एवं बनावट।

8, सामाजिक परिवर्तन: अवधारणा एवं सिद्धान्त-विकासवादी, चक्रीय तथा संघर्ष।

9. सामाजिक स्तरीकरण: अवधारणा, आधार एवं प्रकार।

10. आनुवंशिकता एवं पर्यावरण: अवधारणा एवं अन्तर-सम्बन्ध।

सहायक ग्रन्थ

1 रामपाल सिंह	समाज शास्त्र परिचय
2. सक्सेना एवं मुखर्जी	समाज शास्त्र के सिद्धान्त
3. A.W. Green	Sociology

4. डॉ. उग्रनाथ झा समाजशास्त्र

8. भारतीय इतिहास 100

भारतीय इतिहास (प्रारम्भ से 1526 ई0 तक)

1. भारतीय इतिहास के स्रोत।
2. सिन्धुघाटी सभ्यता
3. वैदिक सभ्यता- प्राग्वैदिक और उत्तरवैदिक।
4. मगध साम्राज्य
5. धार्मिक सुधार आन्दोलन
6. मौर्यकाल- (क) चन्द्रगुप्त (ख) अशोक (ग) मौर्य सम्राज्य का पतन।
7. गुप्तकाल - (क) चन्द्रगुप्त प्रथम (ख) समुद्रगुप्त (ग) चन्द्रगुप्त द्वितीय (घ) गुप्त साम्राज्य का पतन
9. हर्षवर्धन
8. दक्षिण भारत (क) सातवाहन (ख) पल्लव (ग) चोल (घ) चालुक्य।
10. सिन्ध पर अरबों का आक्रमण।
11. तुर्क शासन की स्थापना (1206-1290)- इल्तुतमिश - बलवन।
12. दिल्ली सल्तनत का विस्तार (1290- 1320) अलाउद्दीन खिलजी)
13. दिल्ली सल्तनत (1320- 1398)- मुहम्मद बिन तुगलक - फिरोज तुगलक-तैमूर का आक्रमण।
14. विजयनगर-साम्राज्य
15. लोदी वंश - इब्राहिम लोदी।
16. पानीपत के प्रथम युद्ध (1526) के कारण एवं प्रभाव।

सहायक ग्रन्थ

1. भारत का राजनीतिक एवं सांस्कृतिक इतिहास-	राधाकृष्ण चौधरी
2. प्राचीन भारत-	आर. एस. त्रिपाठी
3. प्राचीन भारत का इतिहास	डी. एन. झा और के. एम. श्रीमाली
4. History of India	Ramila Thapar.
5. History of Medieval India	Ishwari Prasad.
6. Early Medieval India	A.B. Panday
7. History of Culture of Indian People	R.C. Majumdar.

9. भूगोल 100

भौतिक एवं आर्थिक भूगोल

1. भू-संतुलन, पृथ्वी की आन्तरिक संरचना, कोकर और होम्स के पर्वत निर्माण सिद्धान्त।
2. वायु निर्मित स्थलाकृति, हिमनद निर्मित स्थलाकृति, तटीय स्थलाकृति, भूमिगत जल-निर्मित स्थलाकृति।

3. महासागरीय जल की लवणता, महासागरीय निक्षेप, प्रवाल भित्तियाँ एवं वलयाकार प्रवाल भित्तियाँ, जलवायु के वर्गीकरण, जलवायु परिवर्तन के साक्ष्य, वायु राशियों का वर्गीकरण
4. कृषि - निर्वाहक कृषि, वाणिज्यिक अन्योत्पादन कृषि, दुग्धपशुपालन।
5. खनिज- कोयला, पेट्रोलियम, लौह अयस्क के वितरण एवं उत्पादन।
6. उद्योग - इस्पात उद्योग, सूती वस्त्र उद्योग एवं चीनी उद्योग।

सहायक ग्रन्थ

1. भौतिक भूगोल -	सी. बी. मेमोरियॉ
2. भौतिक भूगोल -	साबिन्द्र सिंह
3. जलवायु विज्ञान	लाल
4. भौतिक भूगोल	पी. दयालॉ
5. भौतिक भूगोल -	जी. वी. यादव
6. जलवायु विज्ञान एवं समुद्र विज्ञान -	बलबीर सिंह
7. जलवायु विज्ञान के मौगोलिक तत्त्व	अनिल कुमार तिवारी
8. आर्थिक भूगोल के मूल त्व	काशी नाथ सिंह एवं जगदीश सिंह
9. आर्थिक भूगोल की समीक्षा	पी. जैन 10, आर्थिक भूगोल श्रीवास्तव एवं राव।

10. मनोविज्ञान 100

सामान्य मनोविज्ञान

1. विषय प्रवेश, मनोविज्ञान की विधियाँ, शाखाएँ एवं उपयोगिता ,
2. स्नायु मंडल (Nervous System), केन्द्रीय स्नायु, बनावट एवं कार्य।
3. प्रत्यक्षीकरण (Perception)
4. सीखना (Learning) स्वरूप एवं सिद्धांत।
5. स्मरण एवं विस्मरण (Remembering and forgetting)
6. चिन्तन (Thinking)
7. संवेग (Emotion)
8. प्रेरणा (Motivation)
9. बुद्धि (Intelligence) स्वरूप एवं परीक्षण।
10. व्यक्तित्व (Personality) स्वरूप प्रकार एवं निर्धारक।

संदर्भ ग्रन्थ -

1. प्रारम्भिक मनोविज्ञान -	इन्द्रभूषण
2. सामान्य मनोविज्ञान: विषय और व्याख्या -	अजिमुर रहमान
3. सामान्य मनोविज्ञान -	जे0 डी0 शर्मा

4. सामान्य मनोविज्ञान - अवधेश कुमार सिंहा

11. आधुनिक गणित 100

A. Algebra - 20

B. Trigonometry - 20

C. Coordinate Geometry - 20

D. Calculus - 20

E. INTEGRAL CALCULUS-20

(A) ALGEBRA - Progression (A. P. G. P. H. P.)

(i) Differential Calculus

(ii) Integral Calculus.

1. Definition of a sequence & a series, simple application of A. P. G. P. & H. P.
2. Quadratic equations, Discriminant & nature of roots, Quadratic equation with given roots, Symmetric function of roots.
3. Complex numbers, Representation of complex numbers as points, on A grand Plane Algebra of complex numbers, Real & Image Parts.

(B) TRIGONOMETRY -

(1)Trigonometrical functions of compound angles.

(2) Properties of triangles.

(3) Problems on heights & distances.

(C) CO-ORDINATE GEOMETRY -

1. Co-ordinates (Cartesian Co-ordinates, distance between points section formula centroid of a triangle Incentre of a triangle, area of a triangle, condition for collinearity of three points.)

(2) Locus (cartesian equation of a locus, parametric equations of a locus).

(3) Straight Lines - (Slope of a line, standard equation of a line-point - slope form, slope intercapt form, two-point form, intercapt form, normal form, distance form, General equation of a straight line, angle between two straight lines, condition of paralledism, perpendicularity.)

(D) DIFFERENTIAL CALCULUS -

1.Function, Graph of a function verification of existance of limit & continuity at a point.

2. Differential co-efficients & rules of differentiations.

(E) INTEGRAL CALCULUS- Definition & standard formula, Methods of Integration, Integration of some rational & Irrational functions.

Help Books:

Algebra	1. दास गुप्ता एवं प्रसाद
	2. Laljee Prasad
	3. Dr. M. N. Jha
Trigonometry	1. मजमूदार, दास एवं गुप्ता
	2. Das & Mukharjee
	3. Loney unlinnte
Co-ordinate Gemetry	1. दास गुप्ता, प्रसाद एवं अखैरी
	2. Loney
Calculus	1. दास गुप्ता, प्रसाद एवं सिन्हा
	2. Ramodar Choudhary

12. Functional English - 100

Section - A - Core Course - **50 marks**

(i) Articles and their uses; omission of articles (ten items) 10 marks

(ii) Auxiliary verbs or anomalous finites or models; their full and contracted forms; uses in written and/spoken English, question tags (ten items) 10 marks

(iii) Time and Tense (ten items) 10 marks

(iv) Idioms and Phrases (ten items) 10 marks

(v) Prepositions; meaning and uses; typical words followed by prepositions (ten items) 10 marks

Section - B - Functional courses **50 marks**

Four spheres of the use of English Personal; Social; Cultural and Environmental

(i) Personal and Social Themes: 15 marks

likes and dislikes; about yourselves; about others; buying and selling; meeting people; greeting them; educational institutions; transport; politics (Question given - response to be formed; response given question framing - one mark for each item)

(ii) Cultural and Environmental Themes: 15 marks

time; amounting in the matter; the calendar; animals; the earth; the sky; festivals and places; cultural differences; home and foreign tourism. (Question pattern the same as in - i)

(iii) Various concepts and uses in which they are expressed - 20 marks

Commands, instructions, requests, invitations, suggestion, prohibitions; permission; probability and likelihood; possibility; ability and achievement (and their opposites); intention; plans and arrangement; obligation and necessity; determination and resolve; willingness; promises, treats; refusals; wishes; hopes, preferences; purpose and result; cause, reason, result; comparisons and contrasts; concession; conditions and suppositions; (Idea suggested to frame the sentence- one mark per correct response)

Books recommended:

1. Developing English skills (abridged edition) by P.K. Thaker (OUP)
2. Guide to patterns and usage in English by A. S. Hodave (OUP)
3. Functional Grammar by P.K. Thaker (OUP)

13. आधुनिक दर्शन **100**

1. प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र का स्वरूप एवं उपयोगिता।
2. सरल एवं यौगिक प्रकथन का स्वरूप, निर्णय, सत्यता मूल्य निर्धारित करने की विधिः
3. युक्ति एवं युक्ति आकारों की वैधता
4. प्रकथन आकार

नोट - 1. दीर्घोत्तरीय प्रश्न 20x3= 60
2. लघूत्तरीय प्रश्न 4x5= 20
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10x2= 20

सहायक ग्रन्थ

1. प्रतीकात्मक तर्कशास्त्र प्रवेशिका - डॉ. अशोक कुमार वर्मा
2. इन्ट्रोडक्शन टू सिम्बोलिक लॉजिक - आई. एम. कॉपी

(अतिरिक्त) षष्ठ पत्र - संगणक विज्ञान (Computer) 100

Theory paper - 75 Marks Practical - 25 Marks

Pass Marks - 23 Pass Marks - 10

1. Introduction to Computer Fundamentals and Software Applications - 12 hrs.
2. Foundation Course in Mathematics for Computation - 8 hrs.
3. Foundation Course in Science and Technology and application of Computers in Solving problems - 12 hrs.
4. Introduction to System Software - 8 hrs.
5. System analysis and its design - 4 hrs.
6. Application Window hazed word processing and Graphics - 6 hrs.

7. Fox-fro programming - 6 hrs.

8. "C" Programming - 8 hrs.

PRACTICAL

For Programming - 10 hrs.

"C" Programming - 20 hrs.

Books recommended

1. Computer Fundamental by P.K. Singh.
2. Foundation Course in Mathematics - P.K. Singh
3. Windows and Application - R.K. Taxali
4. "C" Programming by E.B. Guruswami.

(संगणक विज्ञान विषयक छात्रों को पञ्चम पत्र में आधुनिक विषय के रूप में Functional English (क्रियात्मक अंग्रेजी) रखना अनिवार्य होगा)

.....

पाठ्यग्रन्थ
शास्त्री-सामान्य द्वितीय खण्ड

(अनिवार्य) प्रथमपत्र

(क) संस्कृत साहित्य - 100

(उन छात्रों के लिए जिन्होंने शास्त्रीय विषय के रूप में साहित्य नहीं लिया है)

पाठ्यग्रन्थ - (क) रघुवंश महाकाव्यम् (6-7 सर्ग मात्र) 60

(1) आलोचनात्मक प्रश्न 2x20=40

(2) श्लोक व्याख्या 2x10=20

(ख) कादम्बरी (शुकनासोपदेश अंश) 40

(1) आलोचनात्मक प्रश्न 1x20= 20

(2) गद्यांश का अर्थ/अनुवाद 2x10= 20

अथवा

(ख) दर्शन - 100

(उन छात्रों के लिए जिन्होंने शास्त्रीय विषय के रूप में साहित्य लिया है)

पाठ्यग्रन्थ

तर्कसंग्रह-न्यायबोधिनी सहित

अंकविभाजन - (1) दीर्घोत्तरीय प्रश्न - 3x20=60

(2) लघूत्तरीय प्रश्न (टिप्पणी, लक्षण आदि) 4x5=20

(3) व्याख्या/अर्थ 4x5=20

(अनिवार्य) द्वितीय पत्र (हिन्दी भाषियों के लिए)

(क) राष्ट्रभाषा (हिन्दी) 100

(अ) निर्धारित पाठ्यग्रन्थ 60

(1) पाथिक - राम नरेश त्रिपाठी

(2) निबन्ध-माला- सम्पादक - आशा किशोर तथा सुरेन्द्र कुमार शर्मा

अंक विभाजन -

(1) दोनों पुस्तकों से एक-एक आलोचनात्मक प्रश्न 2x20=40

(2) पाथिक से सप्रसंग व्याख्या 2x10=20

(आ) हिन्दी निबन्ध (सामाजिक, राजनीतिक एवं सामयिक विषयों पर) - 20

(इ) वाक्य संशोधन 10

(ई) मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ 10

अथवा

(अनिवार्य) द्वितीय पत्र (अहिन्दी भाषियों के लिए) 100

(ख) (1) राष्ट्रभाषा (हिन्दी) 50

(अ) निर्धारित पाठ्यग्रन्थ 40

साहित्य नवनीत - स० महेन्द्र मधुकर तथा अवधेश्वर अरुण

अंकविभाजन -

(1) दो परिचयात्मक प्रश्न 2x15=30

(2) एक भावार्थ लेखन 1x10= 10

(आ) हिन्दी निबन्ध - (पर्व, त्यौहार एवं सामयिक विषयों पर) 10

(ख)- (2) मातृभाषा - मैथिली 50

अंक विभाजन -

पाठ्यग्रन्थ सँ आलोचनात्मक प्रश्न 1x15=15

पाठ्यग्रन्थ सँ व्याख्या 1x10=10

निबन्ध 15

मिथिलाक्षर ज्ञान 10

निर्धारित ग्रन्थ:

एकांकी संग्रह - मैथिली अकादमी, पटना

(पाठ्यांश - जीवनसंघर्ष, कर्ण, बुद्ध-स्थान, पिपासा तथा सीता)

अथवा

ध्वंसपर्व: प्रो० शिवाकान्त पाठक

2. मिथिलाक्षर अभ्यास पुस्तक: अ० भा० मैथिली साहित्य परिषद्

(पाठ्यांश - प्रथम खण्ड मे पठित अंश स्वर-व्यंजन मात्रा प्रयोग अनुस्वार, विसर्गक अतिरिक्त संयुक्ताक्षर ओ अंक लेखन)

अथवा

(ख)- 2 मातृभाषा - भोजपुरी 50

(अ) पाठ्यग्रन्थ- गंगा, जमुना, सरस्वती - विवेकी राय, भोजपुरी संस्थान, पटना

अंक विभाजन-

(1) पाठ्यग्रन्थ से दू गो आलोचनात्मक प्रश्न 2x15=30

(आ) व्याकरण (कारक, पर्यायवाची शब्द, विपरीतार्थक शब्द, वाक्य शुद्धि, मुहावरा, लोकोक्ति) 4x5=20

(ऐच्छिक) तृतीय पत्र, प्रथमशास्त्रीय विषय 100

निम्नांकित शास्त्रों में से कोई एक विषय प्रथम शास्त्रीय विषय के रूप में लेना होगा-

1. ऋग्वेद, 2. शुक्ल यजुर्वेद 3. कृष्ण यजुर्वेद 4. सामवेद 5. अथर्ववेद 6. कर्मकाण्ड 7. आगम 8. धर्मशास्त्र 9. पुराण 10. गणित ज्योतिष 11. फलित ज्योतिष 12. नव्य व्याकरण 13. प्राचीन व्याकरण 14. साहित्य 15. प्राचीन न्याय 16. नव्य न्याय 17. सर्वदर्शन 18. सांख्य योग 19. मीमांसा 20. शाङ्कर वेदान्त 21. रामानुज वेदान्त 22. माध्व वेदान्त 23. वल्लभ वेदान्त 24. शैवागम 25. जैन दर्शन 26. बौद्ध दर्शन।

1. ऋग्वेद

(क) ऋग्वेद-प्रथममण्डल (सायण भाष्य सहित) (अध्याय 3-4) 70

(1) आलोचनात्मक (दीर्घोत्तरीय) प्रश्न 2x20=40

(2) व्याख्यात्मक प्रश्न 2x15=30

(ख) निरुक्तम् (उपोद्घात मात्र) 30

(1) आलोचनात्मक प्रश्न 1x20=20

(2) लघूत्तरात्मक (टिप्पणी आदि) 2x5= 10

2. शुक्ल यजुर्वेद

(क) शुक्ल यजुर्वेद संहिता (महीधर भाष्य सहित) (4 से 10 अध्याय तक) 70

(ख) निरुक्तम् (उपोद्घात मात्र) 30

3. कृष्ण यजुर्वेद

(क) तैत्तिरीय संहिता (अष्टम काण्ड) 70

(ख) निरुक्तम् (उपोद्घातमात्र) 30

4. सामवेद

(क) साम संहिता (उत्तरार्चिक) 70

(ख) निरुक्तम् (उपोद्घातमात्र) 30

5. अथर्ववेद

(क) अथर्ववेद संहिता (5 से 6 अध्याय तक) 70

(ख) निरुक्तम् (उपोद्घातमात्र) 30

(द्रष्टव्य: - क्रमांक 2 से 5 तक अंक विभाजन क्रमांक 1 (ऋग्वेद) की तरह होगा)

6. कर्मकाण्ड

(क) संस्कार भास्करः (वर्धापन प्रयोग के बाद से सम्पूर्ण) 70

(1) आलोचनात्मक प्रश्न 2x20=40

(2) लघूत्तरात्मक प्रश्न 6x5=30

(ख) वासिष्ठी हवन पद्धति 30

(1) आलोचनात्मक प्रश्न 1x20 = 20

(2) लघूत्तरात्मक प्रश्न2x5 = 10

7. आगम

मन्त्र महोदधिः (9 से 15 तरङ्गपर्यन्त) 100

(1) अलोचनात्मक (दीर्घोत्तरीय प्रश्न) 3x20=60

(2) लघूत्तरीय प्रश्न (टिप्पणी आदि) 4x5=20

(3) व्याख्या भावार्थ आदि 2x10=20

8. धर्मशास्त्र

मनुस्मृतिः (मन्वर्थमुक्तावली सहिता) (अध्याय 7 से 9) 100

(1) आलोचनात्मक (दीर्घोत्तरीय) प्रश्न 3x20=60

(2) लघूत्तरीय प्रश्न (टिप्पणी, लक्षण आदि) 4x5= 20

(3) श्लोक भावार्थ/अनुवाद 2x10=20

9. पुराण

महाभारतम् (आदि पर्व के 1-64 अध्याय) 100

(1) आलोचनात्मक (दीर्घोत्तरीय प्रश्न) 3x20=60

(2) लघूत्तरीय प्रश्न (टिप्पणी आदि) 4x5=20

(3) श्लोक का भावार्थ/अनुवाद 2x10 = 20

10. गणित ज्यौतिष

भास्करीय सिद्धान्तशिरोमणिः (गणिताध्याय)- 100

11. फलित ज्योतिष

(क) भावप्रकाशः 60

आलोचनात्मक प्रश्न-2x20=40

लघूत्तरात्मक -4x5=20

(ख) रमलनवरत्नम् 40

आलोचनात्मक प्रश्न - 2x15=30

लघूत्तरात्मक - 2x5=10

12. नव्य व्याकरण

व्याकरण महाभाष्यम् (1 से 5 आह्निकपर्यन्त) 100

1. दीर्घोत्तरीय प्रश्न 3x20=60

2. लघूत्तरीय प्रश्न 4x5=20

3. व्याख्या/भावार्थ आदि 2x10-20

13. प्राचीन व्याकरण

(क) व्याकरण महाभाष्यम् (8-9 आह्निक) 40

(ख) काशिकाविवरण पंचिका (न्यासः) (लेखक- जिनेन्द्रबुद्धि) प्रथमाध्याय- प्रथमपाद 40

(ग) पदमंजरी- (प्रथमाध्याय प्रथमपाद)-लेखक-हरदत्त 20

14. साहित्य

(क) प्रतिमानाटकम् - भास 40

आलोचनात्मक प्रश्न 1x20= 20

श्लोकव्याख्या 1x10-10

अनुवाद/भावार्थ 2x5=10

(ख) साहित्यदर्पण (3-6 परिच्छेद) 60

दीर्घोत्तरीय प्रश्न 2x20=40

लघूत्तरीय प्रश्न 4x5=20

15. प्राचीन न्याय

न्यायभाष्यम् (1-2 अध्याय) 100

अंकविभाजन

(1) दीर्घोत्तरीय (आलोचनात्मक)प्रश्न 3x20= 60

(2) लघूत्तरीय प्रश्न (टिप्पणी, लक्षण आदि) 4x5= 20

(3) व्याख्या/भावार्थ 2x10=20

16. नव्य न्याय

सामान्यलक्षण (जागदीशी) 100

17. सर्व दर्शन मीमांसान्यायप्रकाशः 100

दीर्घोत्तरीय प्रश्न 3x20-60

लघूत्तरीय प्रश्न 4x5=20

व्याख्या/भावार्थ 2x10-20

18. सांख्ययोग सांख्यतत्त्वकौमुदी 100

19. मीमांसा मानमेयोदयः 100

20. शांकर वेदान्त	वेदान्तपरिभाषा	100
21. रामानुज वेदान्त	वेदान्तपरिभाषा	100
22. माध्व वेदान्त	वेदान्तपरिभाषा	100
23. वल्लभ वेदान्त	वेदान्तपरिभाषा	100
24. शैवागम	श्रीकरभाष्यम् (1-2 अध्याय)	100
25. जैन दर्शन	सर्वार्थसिद्धिः	100
26. बौद्ध दर्शन	विज्ञप्तिमात्रतासिद्धिः	100

(द्रष्टव्यः- क्रमांक-16 से 26 तक अंकविभाजन क्रमांक 15 (न्यायवैशेषिक) की तरह होगा)

(ऐच्छिक) चतुर्थ पत्र, द्वितीय शास्त्रीय विषय 100

निम्नांकित शास्त्रों में से कोई एक शास्त्र द्वितीय शास्त्रीय विषय के रूप में लेना होगा। किन्तु प्रथम शास्त्रीय विषय के रूप में गृहीत विषय से भिन्न विषय ही द्वितीय शास्त्रीय विषय के रूप में लिए जा सकेंगे।

1. धर्मशास्त्र 2. पुराण 3. कर्मकाण्ड 4. फलित ज्यौतिष 5. सर्वदर्शन 6. व्यावसायिक संस्कृत (Functional Sanskrit)

1. धर्मशास्त्र

मनुस्मृतिः (मन्वर्थमुक्तावलीसहिता) (अध्याय - 7 से 9) 100

(1) आलोचनात्मक प्रश्न 3x20=60

(2) लघूत्तरीय प्रश्न (टिप्पणी लक्षण आदि) 4x5=20

(3) भावार्थ / अनुवाद 2x10=20

2. पुराण

महाभारत (आदिपर्व के 1-64 अध्याय) 100

1. दीर्घोत्तरीय प्रश्न 3x20=60

2. लघूत्तरीय प्रश्न 4x5=20

3. श्लोक का भावार्थ/अनुवाद 2x10-20

3. कर्मकाण्ड

(क) संस्कार भास्कर (वर्धापन प्रयोग के बाद से अन्त तक) 70

आलोचनात्मक प्रश्न 2x20=40

लघूत्तरात्मक 6x5=30

(ख) वाशिष्ठी हवन पद्धति 30

1. आलोचनात्मक प्रश्न 1x20=20

2. लघूत्तरात्मक प्रश्न 2x5=10

4. फलित ज्योतिष

(क) भाव प्रकाश 60

(1) आलोचनात्मक प्रश्न 2x20=40

(2) लघूत्तरात्मक प्रश्न 4x5=20

(ख) रमल नवरत्नम् 40

आलोचनात्मक 2x15= 30

लघूत्तरात्मक 2x5 = 10

5. सर्वदर्शन

मीमांसा न्याय प्रकाश 100

दीर्घोत्तरीय प्रश्न 3x20= 60

लघूत्तरीय प्रश्न 4x5= 20

व्याख्या/ भावार्थ 2x10= 20

6. व्यावसायिक संस्कृत (Functional Sanskrit)

(व्यावसायिक संस्कृत (Functional Sanskrit) के पाठ्यक्रम एवं विशेष निर्देश इस पुस्तक के परिशिष्ट -1 में निर्दिष्ट हैं)

(ऐच्छिक) पंचम पत्र, आधुनिक विषय 100

निम्नांकित विषयों में से कोई एक विषय आधुनिक विषय के रूप में लेना होगा-

1. हिन्दी साहित्य 2. भोजपुरी साहित्य 3. मैथिली साहित्य 4. अंग्रेजी साहित्य 5. अर्थशास्त्र 6. राजनीति विज्ञान 7. समाजशास्त्र 8. इतिहास 9. भूगोल 10. मनोविज्ञान 11. आधुनिक गणित 12. क्रियात्मक अंग्रेजी (Functional English)

1. हिन्दी साहित्य 100

पाठ्यग्रन्थ

(क) रश्मिरथी- रामधारी सिंह दिनकर

(ख) गबन- प्रेमचन्द

अंक विभाजन -

(1) दोनों ग्रन्थों से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न 4x15= 60

(2) दोनों ग्रन्थों से दो-दो व्याख्यायें 4x10= 40

2.भोजपुरी साहित्य 100

पाठ्यग्रन्थ-

(क) बिहार विश्वविद्यालय भोजपुरी गद्य संग्रह मात्र-

निम्नलिखित लेखक लोगन के रचना -

(1) रघुवंश नारायण सिंह (2) महेन्द्र शास्त्री (3) गणेश चौबे (4) हरि किशोर पाण्डेय (5) विवेकी राय (6) रामेश्वर नाथ तिवारी।

(ख) 'माटी के दीया आ घीव के बाती'- सतीश्वरनाथ सहाय

अंक विभाजन

(1) दूनो ग्रन्थ से दू-दू गो आलोचनात्मक प्रश्न 4x20= 80

(2) दूनो ग्रन्थ से एक-एक गो अर्थ/आशय 2x10= 20

3. मैथिली साहित्य 100

अंक विभाजन - पाठ्य ग्रन्थ सँ आलोचनात्मक प्रश्न 4x15=60

पाठ्य ग्रन्थ सँ सप्रसंग व्याख्या 4x10=40

निर्धारित ग्रन्थ

(कोनो दुइ गोट पोथीक अध्ययन अपेक्षित होयत आ प्रत्येक मे सँ दू-दू गोट आलोचनात्मक प्रश्न ओ सप्रसंग व्याख्याक उत्तर देय होयत।)

(1) मिथिला तत्त्व विमर्श - म0 म0 परमेश्वर झा

(2) एकादशी - प्रो० हरिमोहन झा

3. विद्यापति गीतशती (गीत सं0-1 सँ 15 धरि मात्र) - सम्पादक - प्रो० उमानाथ झा

4. ENGLISH 100

A. The Old man and The Sea: by Ernest Hemingway

B. The merchant of Venice by W. Shakespeare.

DIVISION OF MARKS:

1. Two short passages for explanation to be set from each book and one each to be answered 10x2= 20 Marks

2. Two critical questions to be set from each book and one each to be answered 20x2= 40 Marks

3. precis 20 Marks

4. Paragraph Writing Idioms and phrases 10 Marks

5. Idioms and Phrases 10 Marks

5. अर्थशास्त्र

समष्टि- अर्थशास्त्र 100

1. समष्टि- अर्थशास्त्र, परिभाषा-व्यक्तिगत अर्थशास्त्र में अन्तर

2. राष्ट्रीय आय की गणना के तरीके।

3. मुद्रा की परिभाषा एवं कार्य।

4. मुद्रा का मूल्य मापन- सूचकांक।

5. मुद्रा का परिमाण-सिद्धान्त।

6. बैंक की प्रकृति एवं कार्य।

7. मुद्रा बाजार-परिभाषा-भारतीय मुद्रा बाजार की विशेषताएँ।

8. केन्द्रीय बैंक के कार्य।

9. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के लाभ।

10. तुलनात्मक लागत का सिद्धान्त

11. भुगतान-संतुलन एवं व्यापार -संतुलन में अन्तर।

12. विश्व बैंक एवं अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा-कोष के कार्य।

13. लोक-वित्त: परिभाषा विषय, क्षेत्र एवं लोक वित्त का महत्त्व।

पाठ्य ग्रन्थ

मुद्रा एवं बैंकिग एल. एम. राय, ज्ञानदा,प्रकाशन-पटना

मुद्रा का परिचय आर. एन. त्रिपाठी

प्रिन्सपुल ऑफ इकोनोमिक्स डॉ० एम. एल. सेठ

मैक्रो इकोनोमिक्स डॉ. ज. प्रसाद।

मैक्रो इकोनोमिक्स डॉ. एल. एम. राय

लोक वित्त डॉ. तिलक नारायण हजेला

राजस्व के सिद्धान्त डॉ. एल. एम. राय

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार कला एवं अग्रवाल

माइक्रो इकोनोमिक थियोरी एम. एल. झिंगन कोणार्क प्रकाशन दिल्ली

6. राजनीति विज्ञान 100

भारतीय संविधान और शासन

1. भारतीय संविधान की प्रमुख विशेषतायें

2. भारतीय संघवाद

3. भारतीय संविधान में संशोधन

4. मौलिक अधिकार

5. राज्य के नीति निर्देशक तत्त्व

6. भारत का राष्ट्रपति

7. प्रधानमंत्री और मन्त्रिपरिषद्

8. भारतीय संसद-लोकसभा एवं राज्यसभा

9. राज्यपाल
10. मुख्यमंत्री एवं मंत्रिपरिषद्
11. राज्य विधायिका-विधान सभा एवं विधान परिषद्

12. भारतीय न्यायपालिका -- उच्च न्यायालय, उच्चतम न्यायालय, जिला न्यायालय एवं ग्राम कचहरी।

13. प्रमुख राजनैतिक दल

14. चुनाव आयोग- गठन एवं कार्य

15. संघीय लोक सेवा आयोग - गठन एवं कार्य

सहायक ग्रन्थ

1. भारतीय संविधान एम. बी. पायली

2. राष्ट्रीय आन्दोलन और भारतीय संविधान - डॉ0 गांधीजी राय

3. राष्ट्रीय आन्दोलन एवं भारतीय शासन - डॉ0 वीरकेश्वर प्रसाद सिंह

4. भारतीय संविधान एवं प्रशासन - डॉ० राम नरेश त्रिवेदी

5. भारतीय प्रशासन और राजनीति - डॉ० चेतकर झा

भारतीय संविधान - शिवनन्दन साह

7. समाजशास्त्र

भारतीय सामाजिक व्यवस्था एवं सूचना 100

1. भारतीय सामाजिक सूचनाओं की एक रूपरेखा -

(क) वर्णाश्रम (ख) पुरूषार्थ (ग) संयुक्त परिवार (घ) विवाह (ड) महिलाओं की स्थिति

2. मुसलमान परिवार एवं विवाह- मुसलमान महिलाओं की स्थिति, विवाह विच्छेद।

3. भारतीय जाति व्यवस्था: अवधारणा उत्पत्ति, विशेषताएँ, जातिव्यवस्था में परिवर्तन

4. बिहार में पंचायती राज व्यवस्था: उपलब्धि एवं मूल्यांकन।

5. सामुदायिक विकास । अर्थ, उद्देश्य, उपलब्धि एवं मूल्यांकन।

6. सर्वोदय एवं भूदान

7. ग्रामीण समुदायः अर्थ, प्रकृति एवं विशेषताएँ

8. भारतीय संस्थाओं पर इस्लाम एवं पश्चिमी संस्कृति का प्रभाव ।

सहायक ग्रन्थ - 1. भारत के सामाजिक संस्थान डॉ० धर्मशीला प्रसाद

2. Indian Society Prof. S. M. Dubey

3. Social Change in Contemporary India Prof. K.L. Sharma

4. बिहार के आदिवासी डॉ० जेड. अहमद

5. भारतीय युवजन डॉ० एस. अकिंचन

6. भारतीय समाज और संस्कृति कैलाश नाथ शर्मा

7. भारतीय सामाजिक संस्थायें रवीन्द्र नाथ मुखर्जी

8. भारतीय समाज और सामाजिक संस्थायें श्री रामनारायण सक्सेना

8. भारतीय इतिहास

भारतीय इतिहास (1526-1950) 100

1. मुगल-साम्राज्य की स्थापना (क) बाबर (ख) हुमायूँ।
2. शेरशाह का प्रशासन।
3. अकबर- (क) साम्राज्य–विस्तार (ख) धार्मिक नीति (ग) राजपूतों के साथ सम्बन्ध।
4. जहाँगीर एवं शाहजहाँ के काल में राजनीतिक प्रगति।
5. औरंगजेब - (क) धार्मिकनीति (ख) मराठों के साथ सम्बन्ध ।
6. मुगल साम्राज्य का पतन।
7. शिवाजी का उदय एवं उत्कर्ष ।
8. अंग्रेजी शासन की स्थापना (1760 तक)
9. अंग्रेजी साम्राज्य का विस्तार (1857 तक)- मराठों, मैसूर, अवध तथा मध्य भारत के साथ युद्ध एवं कूटनीति।
10. वारेन हेस्टिंग्स तथा कार्नवालिस के प्रशासनिक सुधार ।
11. राजा राम मोहनराय।
12. 1857 के सिपाही- विद्रोह के कारण एवं प्रभाव।
13. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस
14. स्वदेशी आन्दोलन।
15. मौले मिण्टो सुधार।
16. मोण्टेग्यू - चेम्सफोर्ड सुधार ।
17. असहयोग आन्दोलन एवं स्वराज - आन्दोलन।
18. सविनय अवज्ञा आन्दोलन।
19. गवर्नमेण्ट ऑफ इण्डिया ऐक्ट (1935)
20. क्रिप्स मिशन।
21. मारत छोड़ो आन्दोलन (1942)
22. कैबिनेट मिशन
23. भारत की स्वतंत्रता एवं विभाजन

सहायक ग्रन्थ-

1. आधुनिक भारत - आर. सी. शुक्ल
2. आधुनिक भारत का इतिहास - धनपति पाण्डेय
3. Modern India- Sumit Sarkar

4. Rise and fall of the Mughal Empire- R.P. Tripathi

5. Mughal government - U.N. Day.

9. भूगोल 100

1. उच्चावच संरचना, जलवायु, मिट्टी और प्राकृतिक वनस्पति।

2. मुख्य फसलें- चावल, गेहूँ, चाय और गन्ना।

3. मुख्य उद्योग- लोहा इस्पात उद्योग, सूतीवस्त्र, मैगनीज एवं अदरख के उत्पादन एवं वितरण।

4. जनसंख्या- वृद्धि, वितरण, जनसंख्या की समस्याएँ एवं नीतियाँ, ग्रामीण अधिवास के प्रकार, नागरीय वृद्धि।

5. उच्चावच एवं संरचना, जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, कृषि, उद्योग।

सहायक ग्रन्थ

1. भारत की भौगोलिक समीक्षा- के. एस. गौड़

2. भारत का भूगोल - सी. बी. चौहान

3. भारत का भूगोल- मामोरिया

4. भारत का भूगोल- मामोरिया एवं अग्रवाल

5. भारत का औद्योगिक भूगोल- बी. एन. सिन्हा

6. भारत का भूगोल- राव एवं श्रीवास्तव

7. बिहार का भूगोल- बी. एन. पी.सिन्हा

8. बिहार का भूगोल- पी. बी. राव एवं सिंह

10. मनोविज्ञान 100

असामान्य मनोविज्ञान

पाठ्यांश - 1. परिभाषा. सामान्यता और असामान्यता में अन्तर तथा असामान्यता के प्रति धारणाएँ।

2. मन के अकारात्मक पहलू (Topographical aspects of mind)

3. मन के गत्यात्मक पहलू (Dynamic aspects of mind)

4. मनो लैंगिक विकास (psycho-sexual development)

5. दैनिक जीवन की मनोविकृतियाँ, मानसिक संघर्ष एवं मनोरचनाएँ।

6. स्वप्न (Dream)

7. मनः स्नायु विकृति एवं मनोविकृति में अन्तर - हिस्टीरिया एवं चिंता मनः स्नायु विकृति के लक्षण, कारण एवं निदान।

8. मनोविकृतियाँ - मनोविदलता, उत्साह - विवाद मनोविकृति लक्षण, कारण एवं निदान।

9. मानसिक दुर्बलता।

10. मनः चिकित्सा (मनोविश्लेषण)

संदर्भ ग्रन्थ -

1. असामान्य मनोविज्ञान - सिन्हा एवं मिश्रा

2. असामान्य मनोविज्ञान- शिव प्रकाश सिंह

3. असामान्य मनोविज्ञान- प्रो० सुलेमान एवं नगीना प्रसाद

11. आधुनिक गणित 100

1. Algebra - 20

2. Trigonometry - 20

3. Coordinate Geometry - 20

4. Calculus - 20+20 = 40

Differential Calculus -

Integral Calculus -

1. Algebra:

Complex Numbers, Modulus arguments of Complete numbers, Conjugate of Complex, numbers, Definition of a sequence of series, Evaluation of quadratic equation: En2, En2,

quadratic Equation: - Condition for common root of two quodratic equations with real Coefficients, Extreme value of quadratric expression in one variable.

2. Trigonometry- Heights of Distances, Solution of triangles, Imaginary numbers.

3. Coordinate Geometry:-

(i) Pairs of straight lines:- between them and the equations of bisectors of the angle between them.

(ii) Conic section:- Equation of the Conic section (Parabola, Ellipse Hyperbola) in the standard form.

4. Calculus:

(i) Differential calculus:

Derivative function at a point, Derivative of a sum, difference, product & quotient of function.

(ii) Integral Calculus -

Integration as the inverse process of differentiation, Integration by substitution & by parts.

सहायक ग्रन्थ

Algebra 1. दास गुप्ता एवं प्रसाद

2. Laljee Prasad

3. Dr. M.N. Jha.

Trigonometry	1. मजुमदास , दास गुप्ता एवं अखौरी
	2. Das & Mukharjee
	3. Loney
Coordinate Geometry	1. दास गुप्ता, प्रसाद एवं अखौरी
Calculus	2. Ramodar Choudhary.

12. Functional English (क्रियात्मक अंग्रेजी) 100

Section - A — Communicative Function - **50 marks**

26 letters of the Roman alphabet used in English versus 44 sounds in it; a non-technical description, listening to cassettes on the pronuncialion of vowels and consonant)

Using a learners Dictionary: understanding the pronunciation, different meanings and usage. (Questions on a non-technical tases, such as: (i) Is the pronunciation of ch in church the same as in machine?

(ii) The pronunciation of i in bite resemble that in (a) bit, (b) light, (c) lead

a) (ten items) Consonants ESERLE 10 marks

b) (ten items) Vowels 10 marks

c) Pattern drills ten items moduls for 12 types inclose (photocopy) 10 marks

इस आइटम के लिये विशेष निर्देश आगे है।

d) Rules of spelling and test 10 sets of works in three option multiple choice type in which one is correct, e.g. (a) recive (b)redceave (c) receive or substitutes the missing letter in the blanks (s) reco - end. 10 marks

e) Reported speech (ten items) 10 marks

Section B - Written English - **50 marks**

a) Writing letters personal letters or letters to the editor 10 marks

b) Writing letters official or business - 10 marks

c) Note taking jotting down points of a passage of about hundred words - 10 marks

d) Writing new items - 10 marks

e) Writing about the aspects of uses of different equipment of computer - 10 marks

Books recommended

1. Spoken English by Bansal & harrison Orientlongman
2. Writing Skills edited by geetha Nagraj and others (OUP)

3. Exercises in Spoken English Part II, Part III (Consonents & Vowels) Central Institute of English & Foreign Languages (OUP) with cassettes.

शास्त्री द्वितीय खण्ड के सेक्सन A के आइटम C के लिए विशेष निर्देश

Section - A, item- C

1. Repetion - The student repeats an utterance around as soon as he has heard it. He does this without looking at a prined test. The utterance must be brief enough to be remined by the ear Sound is as important as form and order.

Example:

This is the seventh month. - This is the seventh month. After a student has repeated an utterance, he may repeat it again and add a few words, then repeat that whole utterance and add more words.

Example:

I used to know him. - I used to know him.

I used to know him years ago. - I used to know him years ago when we were in school.

2. Inflection. One word in an utterance appears in another form when repeated.

Examples.

I bought the ticket. - I bought the tickets.

He bought the candy. - She bought the candy.

I called the young man. - I called the young men.

3. Replacement. One word in an utterance is replaced by another.

Examples

He bought this house cheap. - He bought it cheap.

Helen left early. - She left early.

They gave their boss a watch. - They gave him a watch

4. Restatement- The student rephrases an atterance and addresses to someone else, according to instructions.

Examples.

Tell him to wait for you. - Wait for me.

Ask her how old she is. - How old are you?

Ask John when he began. - John, when did you begin?

5. Completion- The student hears an utterance that is complete except for one word, then repeats the utterance in completed form.

Examples.

I'll go my way and you go. - I'll go my way and you go yours.

We all have own troubles. - We all have our own troubles...

6. Transposition. A change in word where is necessary when a word is added.

Examples.

I'm hungry. (so) - So am I.

I'll never do it again. (neither). - Neither will I

7. Expansion- When a word is added takes a certain place in the sequence.

Examples.

I know him. hardly. - I hardly know him.

I know him (well). - I know him well.

8. Contraction- A single word stands for a phrase or clause.

Examples.

Put your hand on the table - Put your hand there.

They believe that the earth is flat. - They believe it.

9. Transformation- A sentence is transformed beding made negative or interrogative or through changes in sense, mood - voice aspect modality.

Examples.

He knows my address.

He doesn't know my address.

Does he know my address?

He used to know my address.

If he had known my address.

10. Integration- Two separate utterances are integrated into one.

Examples.

They must be honest. This is important. - It is important they be honest.

I know that man. He is looking to you. - I know the message looking for you.

11. Rejoinder- The student makes an appropriare rejoinder to an even utterance. He is told in advance to respond in one of the following ways - Be polite. Answer the question. Agree. Agree emphatically.

Express surprise.

Express regret.

Disagree.

Disagree emphatically

Question

what is said Fail to understand.

Be polite.

Example:

Thank you. - You're welcome. May I take one - Certainly.

Answer the Question.

Examples:

What is your name? - My name is Senith.

Where did it happen: - In the middle of the street

Agree.

Examples:

He's following us. - I think you're right.

This is good coffee. - It's very good.

12. Restoration. The student is given a sequence of words that have been called from a sentence but still bear its basic meaning. He uses these words with a minimum of changes and additions to restore the sentence to its original form. He may be told whether the time a present, past, or future.

EXAMPLES:

Students/waiting/bus - The students are waiting for the bus. boys/build/house/tree - The boys built a house in a tree.

13. आधुनिक दर्शन 100

1. नीतिशास्त्र की परिभाषा एवं स्वरूप
2. नैतिक, नीतिशून्य, ऐच्छिक कर्मों का विश्लेषण तथा प्रयोजन
3. नैतिकता की आवश्यक मान्यताएँ एवं मापदण्ड
4. स्वार्थमूलक सुखवाद एवं परार्थमूलक सुखवाद

नोट - 1. दीर्घोत्तरीय प्रश्न 20x3= 60

2. लघूत्तरीय प्रश्न 4x5= 20

3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10x2= 20

सहायक ग्रन्थ

1. नीतिशास्त्र -डॉ. नित्यानन्द मिश्र

2. प्रारम्भिक आचारशास्त्र- डॉ. अशोक कुमार वर्मा

(अतिरिक्त) षष्ठ पत्र **संगणक विज्ञान (Computer)** 100

Theory paper - 75 Marks Practical - 25 Marks

Pass Marks - 23 Pass Marks - 10

1. Introduction to DBMS- 6 hrs.

2. Detail introduction to Computer Organisation - 8 hrs.

3. Multimedia – 4 hrs.

4. Internet application - 10 hrs.

5. Windows - 8 hrs.

6. Visual C, Object oriented programming - 8 hrs.

7. Introduction to Java, Active X - 6 hrs.

8. Introduction to Computer Net Working - 10 hrs.

PRACTICAL

1. Internet Application

2. Visual C, Objection oriented programming.

3. Introduction to Java.

Books Recommended

1. Windows - Teach yourself - J. Salkuid

2. Introduction to Internet - Fundamental of Information Technology - Alexis Leon.

(संगणक विज्ञान विषयक छात्रों को पञ्चमपत्र में आधुनिक विषय के रूप में Functional English (क्रियात्मक अंग्रेजी) रखना अनिवार्य होगा)

शास्त्री-सामान्य तृतीय खण्ड

(अनिवार्य) प्रथम पत्र 100

संस्कृत वाङ्मय का इतिहास

इस पत्र में संस्कृत वाङ्मय का सामान्य एवं मात्र परिचयात्मक ज्ञान अपेक्षित होगा। अतः तुलनात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न न पूछकर मात्र सामान्य परिचयात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे।

निर्धारित पाठ्यांश

(1) वैदिक वाङ्मय -

(क) ऋग्वेद (ख) यजुर्वेद (ग) सामवेद (घ) अथर्ववेद (ङ) ब्राह्मण ग्रंथ (च) आरण्यक () उपनिषद्

(2) वेदांग साहित्य

(क) शिक्षा (ख) कल्प (ग) व्याकरण (घ) निरुक्त (ङ) छन्द (च) ज्यौतिष

(3) रामायण एवं महाभारत

(4) पुराण का लक्षण एवं अष्टादश पुराण

(5) धर्मशास्त्र एवं उसके मुख्य प्रतिपाद्य विषय ।

(6) भारतीय दर्शन

(क) आस्तिक दर्शन - न्याय, वैशेषिक, सांख्य, योग, मीमांसा, वेदान्त

(ख) नास्तिक दर्शन - चार्वाक, जैन एवं बौद्ध

(7) प्रमुख काव्य एवं काव्यकार

(क) महाकवि कालिदास (ख) भारवि (ग) माघ (घ) श्रीहर्ष (ङ) अश्वघोष (च) बृहत्त्रयी (छ) लघुत्रयी

(8) गीति काव्य

(9) चम्पू काव्य

(10) कथा साहित्य -

(11) गद्य साहित्य - (क) बाण (ख) सुबन्धु (ग) दण्डी

(12) नाट्य साहित्य- (क) भास (ख) कालिदास (ग) शूद्रक (घ) भवभूति (ङ) हर्ष (ज) विशाखदत्त (छ) भट्टनारायण

13. अलंकार शास्त्र एवं प्रमुख आचार्य - (क) भरत मुनि (ख) मम्मट (ग) विश्वनाथ (a) पण्डितराज जगन्नाथ

(अनिवार्य) द्वितीय पत्र 100

(क) सामान्य अध्ययन 60

सामान्य अध्ययन के अन्तर्गत निर्धारित विषयों का मात्र सामान्य परिचयात्मक अध्ययन अपेक्षित होगा। इस खण्ड मे 6 अंकों के 10 लघूत्तरीय प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से पाँच के उत्तर देने होंगे (5x6 = 30)

इनके अतिरिक्त चार दीर्घोत्तरीय प्रश्नों में से दो का उत्तर अपेक्षित होगा (2x15 = 30)

1. भारतीय इतिहास - (संक्षिप्त एवं सामान्य परिचय)

(क) सिन्धुघाटी की सभ्यता (ख) वैदिक सभ्यता (ग) जैन एवं बौद्ध धर्म (घ) मौर्य वंश (ङ) गुप्त वंश (च) दक्षिण के राजवंश (छ) मुगल सम्राज्य (ज) मराठा राज्य (झ) सिक्खों का उदय (ञ) भारत के गवर्नर जेनरल (ट) भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन (1857 - 1947) की प्रमुख घटनायें। (ठ) स्वतंत्रता संग्राम से सम्बद्ध भारत के प्रमुख नेता एवं शहीद।

(2) सामान्य भूगोल -

(क) भारत के प्रसिद्ध स्थान। (ख) विश्व के प्रसिद्ध स्थान। (ग) भारत के राज्य एवं राजधानियाँ (घ) भारत की प्रमुख नदियाँ (ङ) भारत के प्रमुख खनिज (च) भारत के बाँध एवं बहूद्देशीय- योजनायें (छ) विश्व के प्रमुख देश एवं उनकी राजधानियाँ।

(3) सामान्य विज्ञान

(क) विश्व के प्रमुख वैज्ञानिक एवं उनके आविष्कार/अनुसंधान

(ख) भारत के प्रमुख वैज्ञानिक संस्थान, प्रयोगशालायें एवं अनुसंधान केन्द्र

(ग) शरीर की प्रमुख बीमारियाँ - लक्षण, कारण तथा उपचार

(4) संयुक्त राष्ट्रसंघ का सामान्य परिचय - महासभा, सुरक्षा परिषद, आर्थिक एवं सामाजिक परिषद्, न्यास परिषद्, अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय, सचिवालय।

(5) भारतीय संविधान एवं शासन (संक्षिप्त एवं सामान्य परिचय मात्र)

(क) भारतीय संविधान की विशेषतायें (ख) मूल अधिकार (ग) राष्ट्रपति (घ) प्रधानमंत्री (ङ) केन्द्रीय मंत्रिपरिषद्
(च) लोकसभा (छ) उच्चतम न्यायालय (ज) राज्यपाल (झ) मुख्यमंत्री (ञ) विधान सभा-विधान परिषद्
(ट) उच्च न्यायालय (ठ) संघ लोकसेवा आयोग।

6. (1) (क) राष्ट्रीय अलंकार, पुरस्कार एवं सम्मान (ख) नोबेल पुरस्कार

(2) समसामयिक प्रमुख राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय घटनायें

(3) खेल कूद - (क) प्रमुख खेल एवं खिलाड़ी (ख) खेलों से सम्बद्ध प्रमुख ट्रोफियाँ एवं कप

(7) संस्कृत वाङ्मय के प्रसिद्ध ग्रन्थ एवं लेखक

सहायक पुस्तकें:

1. मनोरमा ईयर बुक

2. उपकार

3. सामान्य ज्ञान से सम्बद्ध अन्य ग्रन्थ।

(ख) प्राचीन भारतीय संस्कृति 40

(इस खण्ड में भारतीय संस्कृति का प्रारम्भिक एवं सामान्य ज्ञान अपेक्षित होगा)

निर्धारित अंश -

1. भारतीय संस्कृति के मूल तत्त्व
2. भारतीय संस्कृति एवं ईश्वर
3. भारतीय संस्कृति में धर्म एवं धार्मिक सहिष्णुता
4. भारतीय संस्कृति एवं पुरुषार्थ-चतुष्टय
5. भारतीय संस्कृति एवं संस्कार, षोडश संस्कार एवं उनका महत्त्व
6. भारतीय धर्म एवं आश्रम व्यवस्था, आश्रम व्यवस्था का वैशिष्ट्य एवं महत्त्व
7. भारतीय संस्कृति एवं वर्णव्यवस्था, वर्ण - व्यवस्था का वैशिष्ट्य एवं महत्त्व
8. प्राचीन भारत की शिक्षा-पद्धति, गुरुकुल व्यवस्था, गुरु-शिष्य-सम्बन्ध
9. भारतीय संस्कृति में शिष्टाचार, विनय, चरित्र, क्षमा, दया, परोपकार आदि
10. भारतीय संस्कृति एवं समन्वय, विविधता में एकता
11. भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता
12. भारतीय संस्कृति में नारी
13. भारतीय संस्कृति में विश्वबन्धुत्व की भावना

सहायक-पुस्तकें

1. भारतीय संस्कृति- शिवदत्त ज्ञानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. भारत की प्राचीन संस्कृति- डॉ० रामजी उपाध्याय, किताब महल, इलाहाबाद
3. भारतीय संस्कृति का विकास- बी. एल. शर्मा, लक्ष्मी प्रकाशन मन्दिर, खुर्जा
4. प्राचीन भारतीय संस्कृति के मूल तत्व - सोती वीरेन्द्र चन्द्र, राजपाल एण्ड सन्स, दिल्ली
5. भारतीय संस्कृति- सातवलेकर
6. भारतीय संस्कृति- बलदेव उपाध्याय
7. भारतीय संस्कृति- भोला शंकर व्यास
8. भारतीय संस्कृति- जयशंकर लाल त्रिपाठी
9. हिन्दू संस्कार- राजबली पाण्डेय

(ऐच्छिक) तृतीयपत्र प्रथम शास्त्रीय विषय

निम्नांकित शास्त्रों में से कोई एक विषय प्रथम शास्त्रीय विषय के रूप में लेना होगा-

1. ऋग्वेद 2. शुक्ल यजुर्वेद 3. कृष्ण यजुर्वेद 4. सामवेद 5. अथर्ववेद 6. कर्मकाण्ड 7. आगम 8. धर्मशास्त्र 9. पुराण 10. गणित ज्यौतिष 11. फलित ज्योतिष 12. नव्य व्याकरण 13. प्राचीन व्याकरण 14. साहित्य 15. प्राचीन न्याय 16. नव्य न्याय 17. सर्वदर्शन 18. सांख्य योग 19. मीमांसा 20. शाङ्कर वेदान्त 21. रामानुज वेदान्त 22. माध्व वेदान्त 23. वल्लभ वेदान्त 24. शैवागम 25. जैन दर्शन 26. बौद्ध दर्शन

1. ऋग्वेद 100

आश्वलायन गृह्यसूत्रम् (नारायण वृत्ति सहितम्) (3 से 5 अध्याय)

अंक विभाजन -

1. आलोचनात्मक प्रश्न (दीर्घोत्तरीय) 3x20=60
2, लघूत्तरीय प्रश्न (टिप्पणी आदि) 4x5=20
3. व्याख्या/ भावार्थ 2x10 = 20

2. शुक्ल यजुर्वेद	100
शुक्ल यजुर्वेद प्रातिशाख्यम (1 से 4 अध्याय)	
3. कृष्ण यजुर्वेद	100
तैत्तिरीयारण्यकम्	
4. सामवेद	100
गोभिलगृह्यसूत्रम् (स्थाली पाक कर्म से समाप्ति पर्यन्त)	
5. अथर्ववेद	100
कौशिकसूत्रम् (8 से 15 अध्याय)	
(द्रष्टव्यः क्रमांक 2 से 5 में अंक विभाजन क्रमांक 1 ऋग्वेदवत्)	
6. कर्मकाण्ड	100
अनुष्ठान प्रकाश	
7. आगम	
तन्त्रसार	100
8. धर्मशास्त्र	100
मनुस्मृति (मन्वर्थमुक्तावली सहित) (10 से 12 अध्याय)	
1. आलोचनात्मक (दीर्घोत्तरीय) प्रश्न 3x20=60	
2. लघूत्तरात्मक प्रश्न 4x5=20	
3. भावार्थ/अनुवाद 2x10 = 20	
9. पुराण	100
(क) अग्निपुराणम् (काव्य शास्त्र से सम्बद्ध अंश) (अध्याय 337 से 350 तक)	60
1. आलोचनात्मक प्रश्न 2x20=40	
2. लघूत्तरीय प्रश्न 4x5=20	
(ख) वायुपुराणम् (चतुर्थ उपसंहारपाद)	40
1. आलोचनात्मक प्रश्न 2x15-30	
2. लघूत्तरीय प्रश्न 2x5=10	
10. गणित ज्यौतिष	100
भास्करीय सिद्धान्त शिरोमणि (गोलाध्याय)	
11. फलित ज्यौतिष	100
(क) अंक विद्या (गोपेश कुमार ओझा)	50
(ख) हस्तरेखा (कालिका प्रसाद)	50
12. नव्य व्याकरण	

(क) परम लघुमञ्जूषा (नागेशभट्ट) 80

(ख) प्रयोगमुखम् - धर्मकीत्तिः 20

(सहायक ग्रन्थ - प्रयोगपल्लव, का, सिं. द. सं. वि. वि. से प्रकाशित)

13. प्राचीन व्याकरण

(क) व्याकरण महाभाष्यम् (प्रथमाध्याय के 2-4 पाद) 80

(ख) प्रयोगमुखम् (धर्मकीर्तिः) 20

14. साहित्य

(क) साहित्य दर्पण (7-10 परिच्छेद) 70

दीर्घोत्तरीय प्रश्न 2x20 = 40

लघूत्तरीय प्रश्न (टिप्पणी, लक्षण, उदाहरण आदि) 30

(ख) मेघदूतम् (पूर्वमेघः) 30

आलोचनात्मक प्रश्न 1x20 = 20

श्लोक व्याख्या 1x10 = 10

15. प्राचीन न्याय	न्यायकुसुमांजलिः (हरिदासी सहित)	100
16. नव्य न्याय	सामान्य निरुक्तिः (गादाधरी)	100
17. सर्व दर्शन	यतीन्द्र मतदीपिका आलोचनात्मक प्रश्न 3x20= 60 लघूत्तरीय प्रश्न 8x5 =40	100
18. सांख्ययोग	पातंजलयोग सूत्रम् (व्यासभाष्य तत्त्व वैशारदी सहित) (समाधि तथा साधनपाद)	100
19. मीमांसा	शास्त्रदीपिका (तर्कपाद)	100
20. शांकर वेदान्त	(चतुःसूत्र्यन्त (भामती सहित)	100
21. रामानुज वेदान्त	ब्रह्मसूत्रानन्दभाष्यम् (प्रथमाध्याय)	100
22. माध्व वेदान्त	मध्वमुखालंकार: (वनमालिप्रणीतः) (उत्तरार्द्ध)	100
23. वल्लभ वेदान्त	सर्वनिर्णयार्थप्रकरणम् (वल्लभाचार्य प्रणीत)	100
24. शैवागमः	सिद्धान्तबिन्दुः	100
25. जैनदर्शन	शास्त्रवार्तासमुच्चयः	100
26. बौद्धदर्शन	ललितविस्तरः	100
(ऐच्छिक) चतुर्थ पत्र - द्वितीय शास्त्रीय विषय		100

निम्नांकित शास्त्रों में से कोई एक शास्त्र द्वितीय शास्त्रीय विषय के रूप में लेना होगा। किन्तु प्रथम शास्त्रीय विषय के रूप में गृहीत विषय से भिन्न विषय ही द्वितीय शास्त्रीय विषय के रूप में लिए जा सकेंगे।

1. धर्मशास्त्र 2. पुराण 3. कर्मकाण्ड 4. फलित ज्यौतिष 5. सर्वदर्शन 6. व्यावसायिक संस्कृत (Functional Sanskrit)

1. धर्मशास्त्र

मनुस्मृति (10-12 अध्याय) (मन्वर्थ मुक्तावली सहित) 100

आलोचनात्मक प्रश्न 3x20= 60

लघूत्तरीय प्रश्न (टिप्पणी लक्षण आदि) 4x5 = 20

भावार्थ/अनुवाद 2x10 =20

2. पुराण 100

(क) अग्नि पुराणम् (अध्याय- 337 से 350) 60

आलोचनात्मक प्रश्न 2x20-40

लघूत्तरीय प्रश्न 4x5-20

(ख) वायु पुराणम् (चतुर्थ उपसंहार पाद) 40

आलोचनात्मक प्रश्न 2x15 =30

लघूत्तरीय प्रश्न 2x5 = 10

3. कर्मकाण्ड

अनुष्ठानप्रकाश 100

आलोचनात्मक प्रश्न 3x20 = 60

लघूत्तरीय प्रश्न 8x5=40

4. फलित ज्योतिष

(क) अंक विद्या (गोपेश कुमार ओझा) 50

(ख) हस्त रेखा (कालिका प्रसाद) 50

5. सर्व दर्शन 100

यतीन्द्र मत दीपिका

आलोचनात्मक 3x20 = 60

लघूत्तरीय 8x5 = 40

6. व्यावसायिक संस्कृत (Functional Sanskrit)

(व्यावसायिक संस्कृत (Functional Sanskrit) के पाठ्यक्रम एवं विशेष निर्देश इस पुस्तक के परिशिष्ट -1 में निर्दिष्ट हैं)

(ऐच्छिक) पंचम पत्र - आधुनिक विषय 100

निम्नांकित विषयों से कोई एक विषय-

1. हिन्दी साहित्य 2. भोजपुरी साहित्य 3. मैथिली साहित्य 4. अंग्रेजी साहित्य 5. अर्थशास्त्र 6. राजनीति विज्ञान 7. समाजशास्त्र 8, इतिहास 9. भूगोल 10. मनोविज्ञान 11. आधुनिक गणित12. क्रियात्मक अंग्रेजी (Functional English)

1. हिन्दी साहित्य 100

(क) कुरुक्षेत्र- रामधारी सिंह दिनकर

(ख) ध्रुवस्वामिनी - जयशंकर प्रसाद

अंक विभाजन

1. दोनों ग्रन्थों से दो-दो आलोचनात्मक प्रश्न 4x15=60

2. दानों ग्रन्थों से दो-दो व्याख्यात्मक प्रश्न 4x10 =40

2. भोजपुरी साहित्य 100

(क) कालजयी कुँअर सिंह - राकेश

(ख) भोजपुरी के सपूत - अक्षयवट दीक्षित, (भोजपुरी विकास मंडल, सीवान)

1. प्रत्येक ग्रन्थ से दू-दू गो आलोचनात्मकप्रश्न 4x20= 80

2. (क) ग्रन्थ से दू गो अर्थ/आशय 2x10 = 20

3. मैथिली साहित्य 100

अंक विभाजन . पाठ्यग्रन्थ सँ आलोचनात्मक प्रश्न 4x15 = 60

पाठ्यग्रन्थ सँ सप्रसंग व्याख्या 4x10 = 40

निर्धारित ग्रन्थ-

कोनो दुइ गोट पोथीक अध्ययन अपेक्षित होयत आ प्रत्येक में दू-दू गोट आलोचनात्मक प्रश्न ओ सप्रसंग व्याख्याक उत्तर देय होयत।

1. अन्तर्नाद -प्रो0 सुरेन्द्र झा 'सुमन'

2. दू पत्र - श्री उपेन्द्र नाथ झा 'व्यास

3. विद्यापति गीतशती (गीत सं. 15 सँ 30 धरि मात्र)- प्रो0 उमानाथ झा

4. English 100

1. Prose of Our Time - Edited by prof. A. Thakur (Bharti Bhawan)

Pieces prescribed:

(a) What students can do. -By M.K. Gandhi

(b) All about a Dog -By A.G. Gardiner

(c) The will and Testament of Jawaharlal Nehru.

(d) The Home- Coming -By Rabindranath Tagore

(e) On Books -By John ruskin.

2. A passage to India- By E. M. Forster

3. Nesfield Grammar -Revised by Aggarwala & F.T. Wood.

DISTRIBUTTON OF MARKS:

1. Explanation:

(a) One out of two from prose of our Time 10 Marks

(b) One out of two from A passage to India 10 Marks

2. Critical Question:

(a) One out of two from 'Prose of our Time 10 Marks

(b) One out of two 'A passage to India - 20 Marks

3. One short Hindi passage for translation into English 15 Marks

4. Essay on any one topic out of four

5. Grammar 20 marks

6. Common Errors for correction 5 Marks

5. अर्थशास्त्र 100

भारतीय अर्थव्यवस्था

1. भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रमुख विशेषताएँ
2. जनसंख्या की समस्या
3. निर्धनता की समस्या एवं उपाय
4. बेरोजगारी-समस्या एवं निदान
5. खाद्य समस्या एवं निदान
6. भारतीय कृषि-प्रमुख समस्याएँ- महत्त्व
7. मूल्यवृद्धि की समस्या एवं निदान
8. भूमि-सुधार-अर्थ - विभिन्न पहलू।
9. सिंचाई का महत्त्व एवं सिंचाई का साधन।
10. कृषि वित्त की समस्या - मुख्य स्रोत
11. योजना काल में भारत का औद्योगीकरण
12. लघु एवं कुटीर उद्योगों का महत्त्व।
13. मारत में नियोजन- नवम पंचवर्षीय योजना की मुख्य विशेषताएँ।

पाठ्यग्रन्थ

1. इण्डियन इकोनोमिक्स- डॉ. अलक घोष
2. भारतीय अर्थशास्त्र- एल० एम० राय
3. भारतीय अर्थशास्त्र - डा0 मिश्रा
4. भारतीय अर्थशास्त्र -डॉ० श्रीधर पाण्डेय
5. आर्थिक आयोजन के सिद्धान्त- अमरनाथ अग्रवाल, बुन्दन लाल, मैकमिलन
6. नौवीँ-पंचवर्षीय योजना का प्रारूप- योजना आयोग, नयी दिल्ली।

6. राजनीति विज्ञान 100

खण्ड (क) विश्व के प्रमुख संविधान 50

(अ) ब्रिटिश संविधान

1. परम्परायें (Convention)
2. संसदीय सरकार, राजतंत्र, राजा और क्राउन में अन्तर, मन्त्रिमण्डल, संसद
3. विधि का शासन (Rule of Law) तथा न्याय व्यवस्था
4. राजनीतिक दल

(आ) संयुक्त राज्य अमेरिका का संविधान

1. संघीय व्यवस्था
2. मूल अधिकार
3. संघीय सरकार (क) अमेरिकी राष्ट्रपति, कार्य एवं अधिकार,
   (ख) अमेरिकी काँग्रेस-सिनेट एवं प्रतिनिधि सभा
   (ग) सुप्रीम कोर्ट-गठन एवं अधिकार
4. राजनीतिक दल

खण्ड (ख) भारत में स्थानीय स्वशासन 50

1. स्थानीय स्वशासन-अर्थ, क्षेत्र एवं महत्त्व
2. नगर निगम, पटना नगर निगम
3. नगर पालिका
4. क्षेत्रीय विकास प्राधिकार
5. जिला परिषद्
6. ग्राम पंचायत
7. स्थानीय वित्त
8. स्थानीय स्वशासन: राजकीय नियन्त्रण
9. स्थानीय स्वशासन के गुण दोष

सहायक पुस्तकें

(क) विश्व के प्रमुख संविधान

1. डॉ० वीरकेश्वर प्रसाद सिंह
2. डॉ० गाँधी जी राय
3. ए. सी. कपूर
4. हरिहर प्रसाद राय
5. मनोरंजन झा

(ख) भारत में स्थानीय स्वशासन -

1. डॉ० चेतकर झा
2. डॉ० कामेश्वर सिंह
3. डॉ मणिशंकर प्रसाद

4. डॉ० गाँधीजी राय

7. समाज शास्त्र

सामाजिक मानव शास्त्र 100

1. सामाजिक मानव शास्त्र की प्रकृति, क्षेत्र एवं महत्त्व।

2. परिवार एवं विवाह: प्रकृति, प्रकार एवं जनजाति समाजों में दुल्हा दुल्हन चुनने का मार्ग।

3. नातेदारी: अवधारणा, शब्दावली एवं रीतियाँ, प्राचीन समाज में कानून एवं सरकार।

4. धर्म और जादू: अवधारणा, जादू तथा विज्ञान दोनों के मध्य बंटवारा।

5. टोटन एवं टाबू: अवधारणा एवं अर्थ

6. युवा संगठन: स्वरूप एवं कार्य

7. जनजाति: अवधारणा तथा जनजातीय समस्या एवं कल्याण।

8. बिहार की जनजाति - मुण्डा, उरॉव एवं संताल का सामाजिक आर्थिक, राजनीतिक होचो धार्मिक जीवन।

9. बिहार की जनजातियों पर औद्योगीकरण एवं नगरीकरण का प्रभाव।

सहायक ग्रन्थ

1. सामाजिक मानव विज्ञान - एस. त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

2. समाज शास्त्र का- एच. उप्रेती

3. मानव संस्कृति तथा समाज - आर. एल. श्रीवास्तव

4. सामजिक नृविज्ञान की भूमिका - डॉ० सच्चिदानन्द - बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना

8. इतिहास

विश्व-इतिहास (1789- 1945) 100

1. 1789 की फांसीसी क्रान्ति: कारण, स्वरूप एवं महत्त्व।
2. नेपोलियन बोनापार्ट: अभ्युदय एवं पतन।
3. औद्योगिक क्रान्ति।
4. आधुनिक साम्राज्यवाद।
5. अमेरिकी गृह-युद्ध (1861) 6. चीनी क्रान्ति (1911)
7. प्रथम विश्व युद्ध के कारण एवं परिणाम।
8. लींग ऑफ नेशन का गठन: सफलतायें एवं असफलतायें।
9. 1917 की रूसी क्रान्ति: कारण, स्वरूप एवं महत्त्व ।
10. जापानी साम्राज्यवाद का उदय विस्तार एवं पतन।
11. मुस्तफा कमाल पाशा के अधीन तुर्की का आधुनिकीकरण।

12. इटली में फासिज्म का उदय।

13. जर्मनी में नाजीबाद का उदय।

14. गाँधीवादी विचारधारा एवं राजनीति।

15. चीन में साम्यवाद का उद्भव एवं विकास।

16. द्वितीय विश्वयुद्ध के कारण।

सहायक ग्रन्थ -

1. विश्व इतिहास की भूमिका- राजीव नयन प्रसाद

2. विश्व इतिहास की भूमिका- राम शरण शर्मा

3. आधुनिक विश्व का इतिहास- दीनानाथ वर्मा

9. भूगोल

एशिया का भूगोल 100

1. उच्चावच संरचना , जलवायु एवं प्राकृतिक वनस्पति।

2. खनिज एवं ऊर्जा संसाधन, जनसंख्या एवं उसकी समस्याएँ।

3. चीन-कृषि, खनिज एवं उद्योग।

4. जापान- कृषि, खनिज एवं उद्योग।

5. किन्हीं दो देशों का भौगोलिक विवरण -

श्रीलंका, पाकिस्तान, नेपाल एवं बंगलादेश के उच्चावच, जलवायु, कृषि, उद्योग एवं जनसंख्या।

सहायक ग्रन्थ

1. एशिया का भूगोल - सी. वी. मामोरिया
2. मानसून एशिया- काशीनाथ सिंह एवं जगदीश सिंह
3. एशिया- एल० डी० स्टाम
4. एशिया का प्रदेशिक भूगोल - एस. बी. स्टाम।
5. एशिया की भूमि और मानव- जी. बी. क्रेसी
6. चीन का भूगोल- जी. बी. क्रेसी

10. मनोविज्ञान

विकासात्मक मनोविज्ञान 100

1. विषय प्रवेश
2. विकासात्मक मनोविज्ञान की विधियाँ
3. विकास के नियम
4. ज्ञानात्मक एवं क्रियात्मक विकास
5. भाषा विकास
6. सामाजिक विकास
7. संवेगात्मक विकास
8. बच्चों के खेल विकास

संदर्भ ग्रन्थ - विकासात्मक मनोविज्ञान -अरुण कुमार

11. आधुनिक गणित 100

1. Algebra	20
2. Trigonometry	20
3. Coordinate Geometry	20
4. Calculus	20+20=40
(i) Differential Calculus	20
(ii) Integral Calculus	20
	40

1. Algebra -

Complex number, Square root of a complex number, cube & fourth root of unity of triangular inequality.

definition of a sequence, of series, relation between A. M., G. M., & H. M. Quadratic equation - condition for resolution into real linear factor of a quadratric expression in two variables,

2. Trigonometry - Trigonometrical identities of Numerical values, Trigonometrical equation of General values.

3. Co-ordinate Geometry:

Circle-system of circles

Coaxial circles.

Conic section: - Equations of taugent and normals in case of general equations

4. Calculus:

i. Differential Calculus:

Derivatives composite function, implicit function Interpretation of dy as a rate Measure. Geometrical interpretation of dy.

ii. Integral Calculus:

Definite Integral and its simple properties.

Definite integration as the limit of sum.

सहायक ग्रन्थ -

Algebra-	1. दास गुप्ता एवं प्रसाद
	2. Laljee Prasae

	3. Dr. M. N. Jha
Trigonometry	1. मजुमदार, दास गुप्ता एवं प्रसाद
	2. Das & Mukharjee
	3. Loney
Coardinate Geometry	1. दास गुप्ता, प्रसाद एवं अखौरी
	2. Loney
Calculus	1. दास गुप्ता, प्रसाद एवं सिन्हा
	2. Ramodar Choudhary

12. Functional English (क्रियात्मक अंग्रेजी) - 100

Section A **50 Marks**

Correct usage & vocabulary.

i) Recognition of mistakes.

objective pattern, marked A, B, C, D. (No mistake) 15 marks.

ii) Reconstruction of errors on the traditional model. 15 marks

iii) Vocabulary test 20 marks

Pairs of words (to frame sentences) 5 marks

One word for a group of words (in sentences) 5 marks

Antonyms (in sentences) 5 marks

using the same words in different parts of speech 5 marks

SECTION B **50 marks**

Listening and speaking skills.

(under the supervision of an expert)

a) Slow speed dictation of a passage of about a hundred words (to test spelling, punctuation and listening comprehension) 15 marks.

b) Reading aloud by examinees in tune of dialogue of about a hundred words. 15 marks

c) Asking questions to elicit responses and vice versa etc. 20 marks.

BOOKS RECOMMENDED:

1. Nesfield's (Grammar- revised by Aggarwala and Wood Macmillans)
2. Brush up your English ST Imam (Bharati Bhawan)

13. आधुनिक दर्शन **100**

1. भारतीय आस्तिक एवं नास्तिक दर्शनों का स्वरूप
2. चार्वाक - तत्त्वमीमांसा
3. बौद्ध - आर्यसत्य

4. जैन - स्याद्वाद
5. सांख्य - सत्कार्यवाद
6. योग - अष्टांग योग
7. न्याय- प्रमाण एवम् ईश्वर दर्शन
8. वैशेषिक - पदार्थ
9. मीमांसा- धर्म
10. वेदान्त - ब्रह्म, माया

नोट - 1. दीर्घोत्तरीय प्रश्न 20x3= 60
2. लघूत्तरीय प्रश्न 4x5= 20
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्न 10x2= 20

सहायक ग्रन्थ

भारतीय दर्शन- डॉ. उमेश मिश्र
भारतीय दर्शन- डॉ. बलदेव उपाध्याय

(अतिरिक्त) षष्ठ पत्र संगणक विज्ञान (Computer) 100

Theory paper - 75 Marks Practical - 25 Marks

Pass Marks - 23 Pass Marks - 10

1. Details of Computer Net Working - 10 hrs.
2. TCP/IP Programming - 8 hrs.
3. Computer oriented numerical techniques - 10 hrs.
4. Advanced Java Programming - 10 hrs.
5. Internet Administration - 20 hrs.
6. Project

PRACTICAL Java programming

BOOK RECOMMENDED

1. Introduction to Computer Networking - Alexis Leon.
2. Advanced Java Programming - E. Bala Guru Swami.

(संगणक विज्ञान विषयक छात्रों को पञ्चमपत्र में आधुनिक विषय के रूप में Functional English (क्रियात्मक अंग्रेजी) रखना अनिवार्य होगा)

त्रिवर्षीय शास्त्री प्रतिष्ठा परीक्षा

सामान्य निर्देश (नियम)

1. शास्त्री प्रतिष्ठा परीक्षा में तीन खण्ड होंगे (क) प्रथम (ख) द्वितीय (ग) तृतीय।

प्रत्येक खण्ड का पाठ्यक्रम एक एक वर्ष का होगा जिसकी परीक्षा प्रति वर्ष विश्वविद्यालय द्वारा ली जायगी। प्रत्येक खण्ड में अनिवार्य, ऐच्छिक और प्रतिष्ठा विषयों के छ: पत्र होंगे तथा प्रति पत्र पूर्णांक 100 रहेगा। प्रत्येक खण्ड में सप्तम पत्र के रूप में एक अतिरिक्त विषय के रूप में संगणक विज्ञान (Computer) भी छात्र रख सकते हैं, यदि संगणक विज्ञान (Computer) विषय के लिए छात्र के महाविद्यालय को विश्वविद्यालय पूर्वानुमति प्राप्त हो।

तीनों खण्डों के प्रतिष्ठा विषयक आठों पत्रों में प्राप्त अंकों के योग के आधार पर श्रेणी का निर्धारण होगा।

2. दो पत्रों में अनुत्तीर्णता की स्थिति - यदि कोई परीक्षार्थी प्रथम या द्वितीय खण्ड के अनिवार्य, ऐच्छिक और प्रतिष्ठा विषयों के एक या दो पत्रों में अनुत्तीर्ण होता है तो भी उसे अग्रिम खण्ड में प्रवेश एवं परीक्षा देने का अधिकार रहेगा किन्तु तृतीय खण्ड की परीक्षा होने के वर्ष तक उसे पूर्व वर्ष के अनिवार्य एवं ऐच्छिक विषयों के अनुत्तीर्ण पत्रों में उत्तीर्णता प्राप्त करनी होगी। अनुत्तीर्ण पत्र/पत्रों में परीक्षा देने हेतु परीक्षावेदन पत्र के साथ परीक्षा शुल्क के रूप में आधा शुल्क जमा करना होगा।

3. उत्तीर्णता एवं श्रेणी - अनिवार्य प्रथम, द्वितीय पत्रों, आधुनिक विषय तथा द्वितीय शास्त्रीय विषय में प्रति पत्र 100 अंकों में न्यूनतम 33 अंक उत्तीर्णता हेतु अपेक्षित होंगे।

श्रेणी निर्धारण तीनों खण्डों के प्रतिष्ठा विषयक आठो पत्रों में प्राप्त अंकों के योग के आधार पर निम्नवत् होगा-

(क) प्रथम श्रेणी - प्रतिष्ठा विषयक प्राप्तांकों का न्यूनतम 60% या अधिक।

(ख) द्वितीय श्रेणी - प्रतिष्ठा विषयक प्राप्तांकों का न्यूतम 45% या 60% से कम।

यदि कोई परीक्षार्थी प्रतिष्ठा विषयक आठों पत्रों में 45% प्रतिशत से कम अंक प्राप्त करता है और अनिवार्य तथा ऐच्छिक विषयों के पत्रों में प्रति पत्र 33% अंक प्राप्त कर लेता है तो उसे प्रतिष्ठा रहित उत्तीर्ण घोषित किया जायगा। ऐसे छात्रों का श्रेणी निर्धारण तीनों खण्डों के अनिवार्य एवं ऐच्छिक विषयों के सभी पत्रों में प्राप्त अंकों के योग के आधार पर शास्त्री सामान्य की भाँति किया जायगा।

(ग) शास्त्री प्रथम एवं द्वितीय खण्डों में प्रतिष्ठा विषयक दोनों पत्रों में समेकित रूप से न्यूनतम 70 अंक प्राप्त करने वाले छात्र ही अग्रिम (घ) में प्रवेशार्ह होंगे। इस कोटि के छात्रों को भी उपर्युक्त नियम-2 का लाभ मिल सकेगा।

(घ) शास्त्री प्रतिष्ठा तृतीय खण्ड में यदि कोई छात्र अधिकतम 5 अङ्कों से प्रतिष्ठा/प्रथम श्रेणी से वञ्चित रहता है, तो उसे अपेक्षित अंक प्रदान कर उसका परीक्षाफल घोषित किया जायेगा तथा लब्धांक पत्र पर विनियमाधीन (यू. आर.) अंकित कर दिया जायेगा ।

4. परीक्षा की भाषा

(क) प्रतिष्ठा प्रथम एवं द्वितीय खण्डों में अनिवार्य प्रथम पत्र, प्रतिष्ठा विषयक शास्त्रीय विषय, तथा द्वितीय शास्त्रीय विषय के प्रश्नोत्तर की भाषा संस्कृत और लिपि देवनागरी होगी।

(ख) भाषा सम्बन्धी प्रश्नों के प्रश्नोत्तर सम्बद्ध भाषा में दिए जायेंगे।

(ग) आधुनिक विषयों के प्रश्नोत्तर का माध्यम हिन्दी भाषा होगी।

(घ) प्रतिष्ठा तृतीय खण्ड के प्रथम पत्र में संस्कृत वाङ्मय का इतिहास के उत्तर हिन्दी भाषा में भी लिखे जा सकेंगे।

(ङ) तृतीय खण्ड के द्वितीय पत्र (सामान्य अध्ययन एवं प्राचीन भारतीय संस्कृति) तथा प्रतिष्ठाविषयक अष्टम पत्र (आधुनिक सम्बद्ध विषय) के उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी में दिए जा सकते हैं।

5. आंशिक विषयों की परीक्षा- 7.1.2021 दिवसीय विद्वत् परिषद् के निर्णयानुसार उपशास्त्री स्तर के आंशिक विषयों की परीक्षा महाविद्यालय स्तर पर महाविद्यालयों द्वारा ली जाएगी।

पाठ्यक्रम

शास्त्री प्रतिष्ठा प्रथम खण्ड

(अनिवार्य) प्रथम पत्र 100

शास्त्री सामान्य प्रथम खण्डवत्।

(अनिवार्य) द्वितीय पत्र 100

शास्त्री सामान्य प्रथम खण्डवत्।

(इस खण्ड के तृतीय एवं चतुर्थ पत्र को प्रतिष्ठा विषयक प्रथम एवं द्वितीय पत्र माना जायगा।)

शास्त्री प्रतिष्ठा प्रथम खण्ड (प्रतिष्ठा विषयक प्रथम एवं द्वितीय पत्र)

निम्नांकित शास्त्रों में से कोई एक प्रतिष्ठा विषय के रूप में लेना होगा-

1. ऋग्वेद, 2. शुक्ल यजुर्वेद 3. कृष्ण यजुर्वेद 4. सामवेद 5. अथर्ववेद 6. कर्मकाण्ड 7. आगम 8. धर्मशास्त्र 9. पुराण 10. गणित ज्यौतिष 11. फलित ज्योतिष 12. नव्य व्याकरण 13. प्राचीन व्याकरण 14. साहित्य 15. प्राचीन न्याय 16. नव्य न्याय 17. सर्वदर्शन 18. सांख्य योग 19. मीमांसा 20. शाङ्कर वेदान्त 21. रामानुज वेदान्त 22. माध्व वेदान्त 23. वल्लभ वेदान्त 24. शैवागम 25. जैन दर्शन 26. बौद्ध दर्शन।

1. ऋग्वेद

प्रतिष्ठा प्रथम पत्र

(क) ऋग्वेद संहिता - प्रथम मण्डल, (अध्याय - 1-2) (सायणभाष्य सहित) 60

अंक विभाजन:-

1. आलोचनात्मक (दीर्घोत्तरीय) प्रश्न 2x15 = 30

2. व्याख्या/ भावार्थ 3x10 = 30

(ख) आश्वलायन गृह्यसूत्र (अध्याय 1-2) (नारायण वृत्ति सहित) 40

1. आलोचनात्मक प्रश्न 1x20= 20

2. व्याख्या/ भावार्थ 2x10= 20

प्रतिष्ठा द्वितीय पत्र

(क) ऐतरेयब्राह्मण (1-4 पंचिका) (सायणभाष्य सहित) 60

1. आलोचनात्मक प्रश्न 2x15= 30

2. व्याख्या/भावार्थ 3x10 = 30

(ख) आश्वलायन गृह्यसूत्रम् (3-4 अध्याय) (नारायणवृत्ति सहित) 40

1. आलोचनात्मक प्रश्न 1X20 = 20

2. व्याख्या/भावार्थ 2X10= 20

2. शुक्लयजुर्वेद

प्रतिष्ठा प्रथम पत्र

(क) शुक्लयजुर्वेदसंहिता (अध्याय 1-3) (महीधर भाष्यसहित) 60

(ख) पारस्करगृह्य सूत्रम् (प्रथम काण्ड) (हरिहर भाष्य सहित) 40

प्रतिष्ठा द्वितीय पत्र

(क) शतपथ ब्राह्मण प्रथम प्रपाठक (सायण भाष्य सहित) 60

(ख) शुक्लयजुर्वेद संहिता के 31वें अध्याय के पद, क्रम, जटा एवं घनपाठ 40

सहायक ग्रन्थ -

पंचपाठ पौरुषाध्याय - डॉ० युगल किशोर मिश्र

3. कृष्णयजुर्वेद

प्रतिष्ठा प्रथम पत्र

(क) तैत्तिरीयसंहिता (सप्तमकाण्ड) 60

(ख) आपस्तम्बीय गृह्यसूत्र (पूर्वार्द्ध) 40

प्रतिष्ठा द्वितीय पत्र

(क) तैत्तिरीय ब्राह्मण (सायण भाष्य सहित) (प्रथम काण्ड-प्रथम प्रपाठक) 60

(ख) आपस्तम्बीय गृह्य सूत्र (उत्तरार्द्ध) 40

4. सामवेद

प्रतिष्ठा प्रथम पत्र

(क) सामसंहिता (पूर्वार्चिक अध्याय 1-2) (सायणभाष्य सहित) 60

(ख) गोभिल गृह्य सूत्रम् (आरम्भ से चतुर्थी कर्म प्रयोगान्त) 40

प्रतिष्ठा द्वितीयपत्र

छान्दोग्यमन्त्रब्राह्मण (अध्याय 1-3) (गुणविष्णुभाष्यसहित)100

(5) अथर्ववेद

प्रतिष्ठा प्रथम पत्र

अथर्ववेद संहिता (1 - 2 अध्याय) (सायणभाष्य सहित) 60

(ख) कौशिकसूत्रम् (1 से 4 अध्याय) 40

प्रतिष्ठा द्वितीय पत्र

(क) अथर्ववेदसंहिता (3-4 काण्ड) (सायणभाष्य संहिता) 60

(ख) कौशिक सूत्रम् (5-7 अध्याय) 40

(द्रष्टव्य 2 से 5 तक अंक विभाजन क्रमांक 1 ऋग्वेद की तरह होगा)

6. कर्मकाण्ड

प्रतिष्ठा प्रथम पत्र

(क) संस्कारभारकर (वर्धापनप्रयोगान्त) 50

1. आलोचनात्मक प्रश्न 2x15=30

2. लघूत्तरीय प्रश्न 4x5=20

(ख) याज्ञवल्क्यस्मृतिः (आचाराध्यायः) 50

आलोचनात्मक प्रश्न 2x15=30

लघूत्तरीय प्रश्न 4x5=20

प्रतिष्ठा द्वितीय पत्र

(क) वर्षकृत्यम् (प्रथम भाग) (प्रारंभ से पौषान्तकृत्य तक) 60

1. आलोचनात्मक प्रश्न 2x20 = 40

2. लघूत्तरीय प्रश्न 4x5= 20

(ख) पारस्करगृह्यसूत्रम् (हरिहरभाष्य सहित) 40

1. आलोचनात्मक प्रश्न 2x15=30

2. व्याख्या/भावार्थ 1x10=10

7. आगम

प्रतिष्ठा प्रथम पत्र

(क) मन्त्र महोदधि (1 से 8 तरंग पर्यन्त) 60

1. आलोचनात्मक प्रश्न 2x20= 40

2. लघूत्तरीय प्रश्न 4x5=20

(ख) त्रिपुरोपनिषद् (भास्कर रायकृत टीका सहित) 40

प्रतिष्ठा द्वितीय पत्र

(क) तन्त्रकौमुदी देवनाथ ठाकुर 60

1. आलोचनात्मक प्रश्न 2x20= 40

2. लघूत्तरीय प्रश्न 4x5= 20

(ख) षट्त्रिंशत्तत्त्वसन्दोह 40

(1) आलोचनात्मक प्रश्न 2x15= 30

(2.) लघूत्तरीय 2x5=10

8. धर्मशास्त्र

प्रतिष्ठा प्रथम पत्र

मनुस्मृति (अध्याय 4 से 6) (मन्वर्थ मुक्तावली सहित) 100

1. आलोचनात्मक दीर्घोत्तरीय प्रश्न 3x20= 60

2.लघूत्तरीय (टिप्पणी, लक्षण आदि) 4x5=20

3.श्लोक का भावार्थ / अनुवाद.2x10=20

प्रतिष्ठा द्वितीय पत्र

पारस्करगृह्यसूत्र (1-2 काण्ड) 100

1. आलोचनात्मक दीर्घोत्तरीय प्रश्न 3x20= 60

2.लघूत्तरीय 4x5= 20

3.सूत्र का भावार्थ / अनुवाद.2x10= 20

9. पुराण

प्रतिष्ठा प्रथम पत्र

वाल्मीकीयरामायण (बालकाण्ड) 100

अंक विभाजन क्रमांक (8) धर्मशास्त्रवत्

प्रतिष्ठा द्वितीय पत्र

विष्णुपुराणम् (अंश 1-2) 100

(अंक विभाजन क्रमांक (8) धर्मशास्त्रवत्)

10. गणित ज्यौतिष

प्रतिष्ठा प्रथम पत्र

(क) सरल त्रिकोणमिति (बापूदेव शास्त्री) 3x20= 60

(ख) रेखा गणित (षष्ठ अध्याय) 1x20= 20

(ग) रेखा गणित (एकादश अध्याय) 1x20= 20

प्रतिष्ठा द्वितीय पत्र

सोपपत्ति भास्करीय लीलावती 100

1. दीर्घोत्तरीय प्रश्न 4x20=80

2. लघूत्तरीय 4x5=20

11. फलित ज्योतिष

प्रतिष्ठा प्रथम पत्र

(क) वराह मिहिरकृत लघुजातक 60

दीर्घोत्तरीय प्रश्न 20x2=40

लघूत्तरीय 5x4=20

(ख) जन्म पत्र दीपकः (विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी) 40

दीर्घोत्तरीय प्रश्न 2x15 = 30

लघूत्तरीय 2x5=10

प्रतिष्ठा द्वितीय पत्र

कादम्बिनी- म. म. मधुसूदन ओझा 100

दीर्घोत्तरीय प्रश्न 4x20= 80

लघूत्तरीय 4x5=20

12. नव्य व्याकरण

प्रतिष्ठा प्रथम पत्र

(क) प्रौढमनोरमा (मूलमात्र- अव्ययीभावान्त)	80
(ख) प्रयोग दर्पण (म०म० परमेश्वर झा)	20

सहायक ग्रन्थ -

प्रयोग पल्लव (सं0 डा0 शशिनाथ झा)

प्रतिष्ठा द्वितीय पत्र

(क) सिद्धान्तकौमुदी (वैदिकी प्रक्रिया)	50
(ख) पाणिनीय शिक्षा=	30
(ग) सर्वदर्शनसंग्रहः (पाणिनीय दर्शन मात्र)	20

13. प्राचीन व्याकरण-

प्रतिष्ठा प्रथम पत्र

(क) व्याकरण महाभाष्य (1-7 आह्निक)	100

प्रतिष्ठा द्वितीय पत्र

(क) सिद्धान्तकौमुदी (स्वरवैदिकीप्रक्रिया)	70
(ख) पाणिनीय शिक्षा	30

14.साहित्य

प्रतिष्ठा प्रथम पत्र

(क) शिशुपालवधम् (1+2 सर्ग)	50

आलोचनात्मक प्रश्न 1x20=20

श्लोक व्याख्या 2x10=20

श्लोकार्थ/अनुवाद 2x5=10

(ख) साहित्यदर्पण (1-2 परिच्छेद)	30
(ग) छन्दोमंजरी (लक्षण एवं उदाहरण) 5x4=	20

प्रतिष्ठा द्वितीय पत्र

अभिज्ञानशाकुन्तलम्	100

आलोचनात्मक प्रश्न 2x20= 40

श्लोक व्याख्या 2x20= 40

अर्थ/अनुवाद 2x5=10

व्युत्पत्ति प्रदर्शन 5x2=10

16. प्राचीन न्याय

प्रतिष्ठा प्रथम पत्र

किरणावली (द्रव्य प्रकरणान्त)		100

अंक विभाजन

1. आलोचनात्मक प्रश्न 3x20= 60

2. लघूत्तरीय प्रश्न 4x5=20

3. व्याख्या/ भावार्थ 2x10=20

प्रतिष्ठा द्वितीय पत्र

वैशेषिक सूत्रोपस्कार		100
16. नव्यन्याय		
प्रतिष्ठा प्रथम पत्र	सिद्धान्त लक्षण -	100
प्रतिष्ठा द्वितीय पत्र	व्यधिकरणम् (जागदीशी)	100
17. सर्वदर्शन		
प्रतिष्ठा प्रथम पत्र	तर्कभाषा	100
प्रतिष्ठा द्वितीय पत्र	सांख्यतत्त्वकौमुदी	100
18. सांख्य दर्शन		
प्रतिष्ठा प्रथम पत्र	सांख्यकारिका	100
प्रतिष्ठा द्वितीय पत्र	योगसूत्र	100
	(समाधि तथा साधन पाद छोड़कर) (व्यास भाष्य सहित)	
19. मीमांसा		
प्रतिष्ठा प्रथम पत्र	मीमांसान्यायप्रकाश	100
प्रतिष्ठा द्वितीय पत्र	श्लोकवार्तिक (प्रारम्भ से 100 श्लोक)	100
20. शांकरवेदान्त		
प्रतिष्ठा प्रथम पत्र	ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य (प्रथम अध्याय)	100
प्रतिष्ठा द्वितीय पत्र	ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्य (2 से 3 अध्याय)	100
21. रामानुज वेदान्त		
प्रतिष्ठा प्रथम पत्र	श्रीभाष्यम् (1-2 अध्याय)	100
प्रतिष्ठा द्वितीय पत्र	श्रीभाष्यम् (3 से 5 अध्याय)	100
22. माध्व वेदान्त		
प्रतिष्ठा प्रथम पत्र	मध्वमुखालंकार (श्री वनमालि प्रणीत)	100
प्रतिष्ठा द्वितीय पत्र	ब्रह्म सूत्र (1 से 3 अध्याय-आनन्दतीर्थ भाष्य)	100
23. वल्लभ वेदान्त		
प्रतिष्ठा प्रथम पत्र	ईश-केन-कठोपनिषदः	100
प्रतिष्ठा द्वितीय पत्र	भक्तिरसामृतसिन्धु (सं. विश्वनाथ बनर्जी)	100
24. शैवागम		

प्रतिष्ठा प्रथम पत्र	शैवपरिभाषा	100
प्रतिष्ठा द्वितीय पत्र	प्रत्यभिज्ञाहृदयम्	**100**

25. जैन दर्शन

प्रतिष्ठा प्रथम पत्र	प्रमेयरत्नमाला	100
प्रतिष्ठा द्वितीय पत्र	षड्दर्शनसमुच्चय	100

26. बौद्ध दर्शन

प्रतिष्ठा प्रथम पत्र	न्यायबिन्दु	100
प्रतिष्ठा द्वितीय पत्र	मध्यमकशास्त्रम्	100

(द्रष्टव्य - क्रमांक 16 से 26 तक अंक विभाजन क्रमांक 15 (प्राचीन न्याय) की तरह होगा)

(ऐच्छिक) पंचम पत्र आधुनिक विषय

शास्त्री सामान्य प्रथम खण्ड के (ऐच्छिक) पंचम पत्र (आधुनिक विषय) के लिए निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ ही इस पत्र के अन्तर्गत भी निर्धारित है।

(ऐच्छिक) षष्ठ पत्र- द्वितीय शास्त्रीय विषय 100

निम्नांकित शास्त्रों में से कोई एक शास्त्र द्वितीय शास्त्रीय विषय के रूप में लेना होगा। यह विषय प्रतिष्ठा विषय से भिन्न होगा-

1. धर्मशास्त्र 2. पुराण 3. कर्मकाण्ड 4. फलित ज्यौतिष 5. सर्वदर्शन 6. व्यावसायिक संस्कृत।

शास्त्री सामान्य प्रथम खण्ड के चतुर्थ पत्र (द्वितीय शास्त्रीय विषय) के लिए निर्धारित शास्त्रों में से कोई एक शास्त्र द्वितीय शास्त्रीय विषय के रूप में लेना पड़ेगा, यह विषय प्रतिष्ठा विषय से भिन्न होगा। इनके पाठ्यग्रन्थ वही रहेंगे जो शास्त्री सामान्य प्रथम खण्ड के चतुर्थ पत्र में निर्धारित हैं।

(अतिरिक्त) सप्तम पत्र - संगणक विज्ञान (Computer) 100

(शास्त्री समामान्य प्रथम खण्ड के षष्ठ पत्रवत्।)

विशेष- सप्तम पत्र में (संगणक विज्ञान (Computer)) रखने वाले छात्रों के लिए पञ्चम पत्र में आधुनिक विषय के रूप मे Functional English क्रियात्मक अंग्रेजी रखना अनिवार्य होगा।

शास्त्री प्रतिष्ठा द्वितीय खण्ड

अनिवार्य प्रथम पत्र 100

शास्त्री सामान्य द्वितीय खण्डवत्।

अनिवार्य द्वितीय पत्र 100

शास्त्री सामान्य द्वितीय खण्डवत्।

(इस खण्ड के तृतीय एवं चतुर्थ पत्र को प्रतिष्ठा विषयक तृतीय एवं चतुर्थ पत्र माना जायगा।)

प्रतिष्ठाविषयक तृतीय पत्र एवं चतुर्थ पत्र

निम्नांकित शास्त्रों में से कोई एक शास्त्र प्रतिष्ठा विषय के रूप में लेना होगा-

1. ऋग्वेद 2. शुक्ल यजुर्वेद 3. कृष्ण यजुर्वेद 4. सामवेद 5. अथर्ववेद 6. कर्मकाण्ड 7. आगम 8. धर्मशास्त्र 9. पुराण 10. गणित ज्यौतिष 11. फलित ज्योतिष 12. नव्य व्याकरण 13. प्राचीन व्याकरण 14. साहित्य 15. प्राचीन न्याय 16. नव्य न्याय 17. सर्वदर्शन 18. सांख्य योग 19. मीमांसा 20. शाङ्कर वेदान्त 21. रामानुज वेदान्त 22. माध्व वेदान्त 23. वल्लभ वेदान्त 24. शैवागम 25. जैन दर्शन 26. बौद्ध दर्शन।

1. ऋग्वेद

प्रतिष्ठा तृतीय पत्र

(क) ऋग्वेद प्रथम मण्डल (अध्याय 3-4) (सायण भाष्य सहित) 70

1. आलोचनात्मक (दीर्घोत्तरीय प्रश्न) 2x20= 40

2. व्याख्यात्मक प्रश्न 2x15= 30

(ख) निरुक्तम् (उपोद्घात मात्र) 30

1. आलोचनात्मक प्रश्न 1x20=20

2. लघूत्तरीय (टिप्पणी आदि)2x5=10

प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र

(क) निरुक्तम् (नैघण्टुक काण्ड) 70

1. आलोचनात्मक 3x20=60

2. लघूत्तरीय 2x5=10

(ख) पाणिनीय शिक्षा 30

1. आलोचनात्मक 1x20-20

2. लघूत्तरीय 2x5=10

2. शुक्लयजुर्वेद

प्रतिष्ठा तृतीय पत्र

(क) शुक्लयजुर्वेद संहिता (महीधर भाष्य सहित 4 से 10 अध्याय तक) 70

(ख) निरुक्तम् (उपोद्घातमात्र) 30

प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र

(क) निरुक्तम् (नैघण्टुक काण्ड) 70

(ख) याज्ञवल्क्यशिक्षा 30

3. कृष्णयजुर्वेद

प्रतिष्ठा तृतीय पत्र

(क) तैत्तिरीयसंहिता (अष्टम काण्ड) 70

(ख) निरुक्तम् (उपोद्घात मात्र) 30

प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र

(क) निरुक्तम् (नैघण्टुक काण्ड) 70

(ख) व्यासशिक्षा 30

4. सामवेद

प्रतिष्ठा तृतीय पत्र

(क) सामसंहिता (उत्तरार्चिक)	70
(ख) निरुक्तम् (उपोद्घात मात्र)	30

प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र

(क) निरुक्तम् (नैघण्टुक काण्ड)	70
(ख) नारदीय शिक्षा	30

5. अथर्ववेद

प्रतिष्ठा तृतीय पत्र

(क) अथर्ववेद संहिता (5 से 6 अध्याय तक)	70
(ख) निरुक्तम् (उपोद्घात मात्र)	30

प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र

(क) निरुक्तम् (नैघण्टुक काण्ड)	70
(ख) माण्डूकीय शिक्षा	30

6. कर्मकाण्ड

प्रतिष्ठा तृतीय पत्र

(क) संस्कारभास्कर (वर्धापन प्रयोग के बाद से सम्पूर्ण)	70
(ख) वासिष्ठीहवनपद्धति	30

प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र

(क) पारस्कर गृह्यसूत्र (द्वितीय काण्ड) (हरिहरभाष्य सहित)	30
(ख) वर्षकृत्य प्रथम भाग (माघादिकृत्य से समाप्ति पर्यन्त)	70

(द्रष्टव्य-क्रमांक 2 से 6 तक अंक विभाजन क्रमांक 1 (ऋग्वेद) की तरह होगा)

7. आगम

प्रतिष्ठा तृतीय पत्र

मन्त्रमहोदधिः (9 से 15 तरंग पर्यन्त)	100

1. आलोचनात्मक प्रश्न 3x20= 60

2. लघूत्तरीय (टिप्पणी आदि) 4x5= 20

3. व्याख्या/ भावार्थ 2x10= 20

प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र

(क) दुर्गार्चनपद्धतिः	40
(ख) शारदातिलकम् (पूर्वार्द्ध भाग)	60

8. धर्मशास्त्र

प्रतिष्ठा तृतीय पत्र

मनुस्मृतिः (अ. 7 से 9) (मन्वर्थमुक्तावली सहित) 100

1. आलोचनात्मक (दीर्घोत्तरीय प्रश्न) 3x20=60

2. लघूत्तरीय (टिप्पणी, लक्षण आदि) 4x5=20

3. श्लोक का भावार्थ/ अनुवाद 2x10=20

प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र

याज्ञवल्क्यस्मृतिः (आचराध्याय मात्र) (समिताक्षरा) 100

1. दीर्घोत्तरीय प्रश्न) 3x20= 60

2. लघूत्तरीय प्रश्न (टिप्पणी आदि) 4x5= 20

3. श्लोक का भावार्थ/ अनुवाद 2x10= 20

9. पुराण

प्रतिष्ठा तृतीय पत्र

महाभारतम् (आदि पर्व के 1-64 अध्याय) 100

1. आलोचनात्मक प्रश्न 3x20=60

2. लघूत्तरीय प्रश्न (टिप्पणी आदि) 4x5=20

3. श्लोक का भावार्थ / अनुवाद 2x10=20

प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र

वाल्मीकिरामायणम् (अयोध्या काण्ड) 100

1. आलोचनात्मक प्रश्न 3x20=60

2. लघूत्तरीय टिप्पणी आदि प्रश्न 4x5= 20

3. श्लोक का भावार्थ/अनुवाद 2x10= 20

10. गणित ज्योतिष

प्रतिष्ठा तृतीय पत्र

भास्करीयसिद्धान्तशिरोमणिः (गणिताध्याय) 100

प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र

(क) नीलाम्बरीय त्रिकोणमितिः 60

(ख) नीलाम्बरीय गोलीय रेखा गणितम् 40

11. फलित ज्योतिष

प्रतिष्ठा तृतीय पत्र

(क) बृहत्संहिता (पूर्वार्द्ध भाग) 60

(ख) रमल नवरत्नम् 40

प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र

बृहत्संहिता (उत्तरार्द्ध भाग) 100

12 नव्य व्याकरण

प्रतिष्ठा तृतीय पत्र

व्याकरणमहाभाष्यम् (1 से 5 आहिनक) 100

प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र

लघुशब्दरत्नम् (प्रौढमनोरमायाः व्याख्या) 100

(अजन्तप्रकरणान्त) -हरिदीक्षित

13. प्राचीन व्याकरण

प्रतिष्ठा तृतीय पत्र

(क) व्याकरणमहाभाष्यम् (8-9 आहिनक) 40

(ख) काशिकाविवरणपंचिका (न्यासः) 40

(प्रथमाध्याय-प्रथमपाद)-जिनेन्द्र बुद्धिः

(ग) पदमञ्जरी (प्रथमाध्याय प्रथमपाद) हरदत्तकृता 20

प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र

माधवीया धातुवृत्तिः (भ्वादिमात्र) 100

14. साहित्य

प्रतिष्ठा तृतीय पत्र

(क) प्रतिमानाटकम् (भास) 40

आलोचनात्मक प्रश्न 1x20=20

श्लोक व्याख्या 1x10=10

अनुवाद/श्लोकार्थ 2x5=10

(ख) साहित्यदर्पण (3--6 परिच्छेद) 60

दीर्घोत्तरीय प्रश्न 2x20=40

लघूत्तरीय प्रश्न 4x5=20

प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र

(क) कादम्बरी (कथा मुख प्रकरण) 60

आलोचनात्मक प्रश्न 1x20=20

श्लोक व्याख्या 2x10=20

गद्यांश का अनुवाद 2x10=20

(ख) वेणीसंहार नाटक 40

आलोचनात्मक प्रश्न 1x20=20

श्लोकार्थ/ अनुवाद 2x5=10

श्लोक व्याख्या 1x10=10

15. प्राचीनन्याय

प्रतिष्ठा तृतीय पत्र न्यायभाष्यम् (1-2 अध्याय) 100

प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र न्यायभाष्यम् (3 से 5 अध्याय) 100

16. नव्यन्याय		
प्रतिष्ठा तृतीय पत्र	सामान्यलक्षण (जागदीशी)	100
प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र	अवच्छेदकत्वनिरुक्तिः (जागदीशी)	100
17. सर्वदर्शन		
प्रतिष्ठा तृतीय पत्र	मीमांसान्यायप्रकाशः	100
प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र	वेदान्तसारः	100
18. सांख्ययोग		
प्रतिष्ठा तृतीय पत्र	सांख्यतत्त्वकौमुदी	100
प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र	योगसारसंग्रहः	100
19. मीमांसा		
प्रतिष्ठा तृतीय पत्र	मानमेयोदयः	100
प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र	कुतूहलवृत्तिः	100
20. शांकर वेदान्त		
प्रतिष्ठा तृतीय पत्र	वेदान्तपरिभाषा	100
प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र	पंचदशी (तृप्तिदोष पर्यन्ता)	100
21. रामानुज वेदान्त		
प्रतिष्ठा तृतीय पत्र	वेदान्तपरिभाषा	100
प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र	यतीन्द्रमतदीपिका	100
22. माध्व वेदान्त		
प्रतिष्ठा तृतीय पत्र	वेदान्तपरिभाषा	100
प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र	तत्त्वोद्योतः, प्रमाणपद्धतिश्च	100
23. वल्लभ वेदान्त		
प्रतिष्ठा तृतीय पत्र	वेदान्तपरिभाषा	100
प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र	शुद्धाद्वैतमार्तण्डः (सटीकः)	100
24. शैवागम		
प्रतिष्ठा तृतीय पत्र	श्रीकरभाष्यम् (1-2 अध्याय)	100
प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र	श्रीकरभाष्यम् (3-4 अध्याय)	100
25. जैन दर्शन		
प्रतिष्ठा तृतीय पत्र	सर्वार्थसिद्धिः	100
प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र	आप्तपरीक्षा	100
26. बौद्ध दर्शन		
प्रतिष्ठा तृतीय पत्र	विज्ञप्तिमात्रतासिद्धि	100
प्रतिष्ठा चतुर्थ पत्र	आर्यदेवकृतं चतुश्शतकम् (चन्द्रकीर्त्तिवृत्तिसहितम्)	100

(ऐच्छिक) पंचम-पत्र आधुनिक विषय 100

शास्त्री सामान्य द्वितीय खण्ड के (ऐच्छिक) पंचम पत्र (आधुनिक विषय) के लिए निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ ही इस पत्र के अन्तर्गत भी निर्धारित हैं।

(ऐच्छिक) षष्ठ पत्र- द्वितीय शास्त्रीय विषय

शास्त्री सामान्य द्वितीय खण्ड के (ऐच्छिक) चतुर्थ पत्र (द्वितीय शास्त्रीय विषय) के लिए निर्धारित शास्त्रों में से कोई एक शास्त्र द्वितीय शास्त्रीय विषय के रूप में लेना पड़ेगा, यह विषय प्रतिष्ठा विषय से भिन्न होगा। इनके पाठ्यग्रन्थ वही रहेंगे जो शास्त्री सामान्य द्वितीय खण्ड के (ऐच्छिक) चतुर्थ पत्र में निर्धारित हैं।

सप्तम पत्र संगणक विज्ञान (Computer) 100

(शास्त्री समामान्य प्रथम खण्ड के षष्ठ पत्रवत्।)

विशेष- सप्तम पत्र में (संगणक विज्ञान (Computer)) रखने वाले छात्रों के लिए पञ्चम पत्र में आधुनिक विषय के रूप मे Functional English (क्रियात्मक अंग्रेजी) रखना अनिवार्य होगा।

शास्त्री प्रतिष्ठा तृतीय खण्ड

(अनिवार्य) प्रथम पत्र 100

शास्त्री सामान्य तृतीय खण्डवत्।

(अनिवार्य) द्वितीय पत्र 100

शास्त्री सामान्य तृतीय खण्डवत्।

विशेष- सप्तम पत्र में अतिरिक्त विषय के रूप में संगणक विज्ञान (Computer) विषय के छात्रों के लिए अनिवार्य द्वितीय पत्र का विषय होगा- क्रियात्मक अंग्रेजी (Functional English), इसका पाठ्यक्रम इस प्रकार है-

2. Functional English (क्रियात्मक अंग्रेजी) - 100

Section -A- Correct usage & vocabulary. **50** marks.

i) Recognition of mistakes.

objective pattern, marked A, B, C, D. (No mistake)	15 marks.
ii) Reconstruction of errors on the traditional model.	15 marks
iii) Vocabulary test	20 marks
Pairs of words (to frame sentences)	5 marks
One word for a group of words (in sentences)	5 marks
Antonyms (in sentences)	5 marks
using the same words in different parts of speech	5 marks

SECTION B **50 marks**

Listening and speaking skills.

(under the supervision of an expert)

a) Slow speed dictation of a passage of about a hundred words (to test spelling, punctuation and listening comprehension) 15 marks.

b) Reading aloud by examinees in tune of dialogue

of about a hundred words. 15 marks

c) Asking questions to elicit responses

and vice versa etc. 20 marks.

BOOKS RECOMMENDED:

1. Nesfield's (Grammar- revised by Aggarwala and Wood Macmillans)
2. Brush up your English ST Imam (Bharati Bhawan)

(इस खण्ड के तृतीय से षष्ठ पत्र को शास्त्री प्रतिष्ठा के पञ्चम से अष्टम पत्र माना जायगा)

(अतिरिक्त) सप्तम पत्र संगणक विज्ञान (Computer) 100

शास्त्री सामान्य के षष्ठपत्रवत्।

विशेष- सप्तम पत्र में अतिरिक्त विषय के रूप में संगणक विज्ञान (Computer) विषय के छात्रों को (अनिवार्य) द्वितीय पत्र का विषय Functional English (क्रियात्मक अंग्रेजी) रखना अनिवार्य होगा।

शास्त्री प्रतिष्ठा तृतीय खण्ड में प्रतिष्ठा विषय के पंचम, षष्ठ, सप्तम और अष्टम पत्र

निम्नांकित शास्त्रों में से कोई एक प्रतिष्ठा विषय के रूप में लेना होगा-

1. ऋग्वेद 2. शुक्ल यजुर्वेद 3. कृष्ण यजुर्वेद 4. सामवेद 5. अथर्ववेद 6. कर्मकाण्ड 7. आगम 8. धर्मशास्त्र 9. पुराण 10. गणित ज्योतिष 11. फलित ज्योतिष 12. नव्य व्याकरण 13. प्राचीन व्याकरण 14. साहित्य 15. प्राचीन न्याय 16. नव्य न्याय 17. सर्वदर्शन 18. सांख्य योग 19. मीमांसा 20. शाङ्कर वेदान्त 21. रामानुज वेदान्त 22. माध्व वेदान्त 23. वल्लभ वेदान्त 24. शैवागम 25. जैन दर्शन 26. बौद्ध दर्शन।

1. ऋग्वेद

प्रतिष्ठा पंचम पत्र

आश्वलायनगृह्यसूत्रम् (पंचमाध्याय से समाप्तिपर्यन्त) 100

(नारायणवृत्तिसहितम्)

अंक विभाजन

1. आलोचनात्मक प्रश्न 3X20= 60
2. लघूत्तरात्मक प्रश्न 4X5= 20
3. सूत्र व्याख्या/भावार्थ 2X10=20

प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र

(क) चरणव्यूहः 60

(ख) मीमांसापरिभाषा 40

प्रतिष्ठा सप्तम पत्र

(क) शौनकीयबृहद्देवता (1-2 अध्याय) 70

(ख) वेदोदधिरत्नम् 30

प्रतिष्ठा अष्टम पत्र

हिन्दू संस्कार (डॉ. राजबली पाण्डेय) 100

2. शुक्लयजुर्वेद

प्रतिष्ठा पंचम पत्र

शुक्लयजुर्वेद प्रतिशाख्य (1-4 अध्याय) 100

प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र

(क) चरणव्यूहः 60

(ख) मीमांसा परिभाषा 40

प्रतिष्ठा सप्तम पत्र

(क) शौनकीयबृहद्देवता (1-2 अध्याय) 70

(ख) वेदोदधिरत्नम् 30

प्रतिष्ठा अष्टम पत्र

हिन्दू संस्कार (डॉ० राजवली पाण्डेय)	100
3. कृष्णयजुर्वेद	
प्रतिष्ठा पंचम पत्र	
तैत्तिरीयारण्यक	100
प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र	
(क) चरणव्यूहः	60
(ख) मीमांसा परिभाषा	40
प्रतिष्ठा सप्तम पत्र	
(क) शौनकीय बृहद्देवता (1-2 अध्याय)	70
(ख) वेदोदधिरत्नम्	30
प्रतिष्ठा अष्टम पत्र	
हिन्दू संस्कार (डॉ० राजबली पाण्डेय)	100
4. सामवेद	
प्रतिष्ठा पंचम पत्र	
गोभिल गृह्य सूत्रम् (स्थालीपाककर्म से समाप्ति पर्यन्त)	100
प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र	
(क) चरणव्यूहः	60
(ख) मीमांसा परिभाषा	40
प्रतिष्ठा सप्तम पत्र	
(क) शौनकीय बृहद्देवता (1-2 अध्याय)	70
(ख) वेदोदधिरत्नम्	30
प्रतिष्ठा अष्टम पत्र	
हिन्दू संस्कार - राजवल्ली पाण्डेय	100
5. अथर्ववेद	
प्रतिष्ठा पंचम पत्र	
कौशिकसूत्रम् (8 से 15 अध्याय तक)	100
प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र	
(क) चरणव्यूहः	60
(ख) मीमांसा परिभाषा	40
प्रतिष्ठा सप्तम पत्र	
(क) शौनकीय बृहद्देवता (1-2 अध्याय)	70
(ख) वेदोदधिरत्नम्	30
प्रतिष्ठा अष्टम पत्र	
(ग) हिन्दू संस्कार (डॉ० राजबली पाण्डेय)	100

6. कर्मकाण्ड

प्रतिष्ठा पंचम पत्र

अनुष्ठानप्रकाश 100

1. आलोचनात्मक प्रश्न 3X20= 60

2. लघूत्तरीय प्रश्न 5X8 = 40

प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र

(क) पारस्कर गृह्ययसूत्र (तृतीय काण्ड) (हरिहरभाष्य सहित) 60

(ख) वर्षकृत्यद्वितीयभाग 40

प्रतिष्ठा सप्तम पत्र

आह्निक सूत्रावलि 100

प्रतिष्ठा अष्टम पत्र

प्रतिष्ठामहोदधिः 100

7. आगम

प्रतिष्ठा पंचम पत्र

तन्त्रसार 100

प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र

(क) प्रत्यभिज्ञा हृदय 60

(ख) मरुतन्त्र 40

प्रतिष्ठा सप्तम पत्र

शाक्तप्रमोद (पूवार्द्ध) 100

प्रतिष्ठा अष्टम पत्र

रुद्रयामलतन्त्र (1-3 पटल) 100

8. धर्मशास्त्र

प्रतिष्ठा पंचम पत्र

मनुस्मृति (10--12 अध्याय) (मन्वर्थमुक्तावली सहित) 100

आलोचनात्मक प्रश्न 3x20=60

लघूत्तरीय प्रश्न 4x5=20

श्लोकार्थ/भावार्थ का अनुवाद 2x10=20

प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र

धर्मसिन्धु (प्रथम परिच्छेद) 100

आलोचनात्मक प्रश्न 3x20=60

लघूत्तरीय प्रश्न 5x8= 40

प्रतिष्ठा सप्तम पत्र

महाभारत (शान्ति पर्व का राजधर्म प्रकरण 70--139 अध्याय) 100

आलोचनात्मक प्रश्न 3x20=60

लघूत्तरीय प्रश्न 5x8=40

प्रतिष्ठा अष्टम पत्र

प्राचीन भारतीय राजशास्त्र (मनु एवं भीष्म के आधार पर) 100

निर्धारित पाठ्यांश

(क) प्राचीन भारतीय राजशास्त्र के स्रोत

(ख) राजा की उत्पत्ति

(ग) राजा के कर्त्तव्य एवं उद्देश्य

(घ) सप्तांग राज्य की व्यवस्था

(ङ) मन्त्रिपरिषद्

(च) न्यायालय एवं न्याय सिद्धान्त

(छ) राज्य का मण्डल सिद्धान्त

(ज) षाड्गुण्य नीति

(झ) कर व्यवस्था

(ञ) गुप्तचर व्यवस्था

सहायक ग्रन्थ - 1. भीष्म की राज्य व्यवस्था (डॉ० श्याम लाल पाण्डेय)

2. मनु की राज्य व्यवस्था (डॉ० श्याम लाल पाण्डेय)

3. प्राचीन भारतीय राजशास्त्र प्रणेता

9. पुराण

प्रतिष्ठा पंचम पत्र

(क) अग्नि पुराण (काव्य शास्त्रीय अंश अध्याय - 337-350) 60

आलोचनात्मक प्रश्न 2x20= 40

लघूत्तरीय प्रश्न 4x5=20

(ख) वायुपुराण (चतुर्थ उपसंहार पाद) 40

आलोचनात्मक प्रश्न 2x15=30

लघूत्तरीय प्रश्न 2x5=10

प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र

वाल्मीकिरामायण (सुन्दर काण्ड) 100

आलोचनात्मक प्रश्न 3x20=60

लघूत्तरीय प्रश्न 4x5=20

भावार्थ/व्याख्या 2x10=20

प्रतिष्ठा सप्तम पत्र

श्रीमद्भावगवत (1-2 स्कन्ध) 100

आलोचनात्मक प्रश्न 3x20=60

लघूत्तरीय प्रश्न 4x5=20

भावार्थ/व्याख्या 2x10=20

प्रतिष्ठा अष्टम पत्र

प्राचीन भारत का इतिहास (हर्षवर्द्धन काल तक) 100

आलोचनात्मक प्रश्न 4x20=80

लघूत्तरीय प्रश्न 4x5=20

10. गणित ज्यौतिष

प्रतिष्ठा पंचम पत्र

भास्करीय सिद्धान्त शिरोमणि (गोलाध्याय) 100

प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र

ग्रहलाघव (सूर्यग्रहणान्त) (गणित मात्र) 100

प्रतिष्ठा सप्तम पत्र

(क) वास्तवचन्द्र शृङ्गोन्नतिसाधनम् 60

(ख) प्रतिभा बोधकम् 40

प्रतिष्ठा अष्टम पत्र

(क) भास्करीय बीज गणितोपपत्ति 70

(ख) भाभ्रम बोधः 30

11. फलित ज्यौतिष

प्रतिष्ठा पंचम पत्र

(क) अंकविद्या 50

(ख) हस्तरेखा 50

प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र

भावकुतूहलम् (जीवनाथकृतम्) 100

प्रतिष्ठा सप्तम पत्र

(क) जैमिनिसूत्रम् 60

(ख) वेदांग ज्योतिष 40

प्रतिष्ठा अष्टम पत्र

(क) केशवीय जातकपद्धति 60

(ख) अर्धमार्तण्ड 40

12. नव्य व्याकरण

प्रतिष्ठा पंचम पत्र

(क) परमलघुमञ्जूषा (नागेशभट्ट) 80

(ख) प्रयोगमुखम् (धर्मकीर्ति) 20

प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र

(क) समासशक्तिदीपिका (महावैयाकरण दीनबन्धु झा) 50

(ख) कौमुदी मूलार्थविद्योतिनी (अच् सन्धि पर्यन्त) (महावैयाकरण दीनबन्धु झा) 50

प्रतिष्ठा सप्तम पत्र

(क) न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (शब्द खण्डमात्र) 60

(ख) व्याकरणशास्त्रीय - पारिभाषिक शब्द 40

सहायक ग्रन्थ -

व्याकरण शास्त्रीय पारिभाषिक शब्द संग्रह -श्री रमेश झा

प्रतिष्ठा अष्टम पत्र

भाषा विज्ञान की भूमिका (देवेन्द्रनाथ शर्मा) 100

13. प्राचीनव्याकरण

प्रतिष्ठा पंचम पत्र

(क) व्याकरण महाभाष्यम् (प्रथमाध्याय के 2-4 पाद) 80

(ख) प्रयोगमुखम् (धर्मकीर्तिः) 20

सहायक ग्रन्थ-

प्रयोगपल्लव (का. सिं. द. सं. वि. वि. प्रकाशन)

प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र

(क) परिभाषावृत्तिः (पुरुषोत्तमदेव) 50

(ख) परमलघुमञ्जूषा (नागेशभट्ट) 50

प्रतिष्ठा सप्तम पत्र

(क) शब्दकौस्तुभ (भट्टोजिदीक्षित) (1-2- आहिनक) 70

(ख) भागवृत्ति संकलनम् (युधिष्ठिर मीमांसक) 30

प्रतिष्ठा अष्टम पत्र

भाषा विज्ञान की भूमिका देवेन्द्रनाथ शर्मा 100

14. साहित्य

प्रतिष्ठा पंचम पत्र

(क) साहित्य दर्पण (7-10 परिच्छेद) 70

दीर्घोत्तरीय प्रश्न 2x20=40

लघूत्तरीय प्रश्न (टिप्पणी, लक्षण, उदाहरण आदि) 30

(ख) मेघदूतम् (पूर्वमेघ) 30

आलोचनात्मक प्रश्न 1x20=20

व्याख्या 1x10=10

प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र

(क) चम्पूरामायणम् 60

आलोचनात्मक प्रश्न 2x15=30

व्याख्या 2x10=20

अर्थ/ अनुवाद 2x5=10

(ख) सुलोचनामाधवम् 40

आलोचनात्मक प्रश्न 1x20=20

व्याख्या 1x10=10

प्रतिष्ठा सप्तम पत्र

(क) मालविकाग्निमित्रम् 60

आलोचनात्मक प्रश्न 2x15=30

व्याख्या 2x10-20

अर्थ/ अनुवाद 2x5=10

(ख) रत्नावलीनाटिका 40

आलोचनात्मक प्रश्न 1x20=20

व्याख्या 1x10=10

अर्थ/ अनुवाद 2x5=10

प्रतिष्ठा अष्टम पत्र

(क) रघुवंश (13-14 सर्ग) 60

आलोचनात्मक प्रश्न 2x15=30

व्याख्या 2x10= 20

अर्थ/अनुवाद 2x5=10

(ख) मेघदूतम् (उत्तरमेघ) 40

आलोचनात्मक प्रश्न 1x2=20

व्याख्या 1x10=10

अर्थ/ अनुवाद 2x5=10

15. प्राचीन न्याय

प्रतिष्ठा पंचम पत्र	न्यायकुसुमांजलि (हरिदासी सहित)	100
प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र	वैशेषिकसूत्रम् (वृत्तिसहित)	100
प्रतिष्ठा सप्तम पत्र	न्यायवार्तिकतात्पर्यटीका (प्रथमाध्याय का प्रथमाह्निक)	100
प्रतिष्ठा अष्टम पत्र	शब्दशक्तिप्रकाशिका (नामप्रकरणान्ता)	100

16. नव्यन्याय

प्रतिष्ठा पंचम पत्र	सामान्यनिरुक्तिः (गादाधरी)	100
प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र	पक्षता (जागदीशी)	100
प्रतिष्ठा सप्तम पत्र	अवयवप्रकरणम् (प्रतिज्ञालक्षणान्त) (गादाधरी)	100
प्रतिष्ठा अष्टम पत्र	न्यायकुसुमाञ्जलिः (हरिदासी सहित)	100

17. सर्वदर्शन

प्रतिष्ठा पंचम पत्र	यतीन्द्र मतदीपिका	100
प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र	जैनतर्कभाषा	100
प्रतिष्ठा सप्तम पत्र	प्रत्यभिज्ञाहृदयम्	100
प्रतिष्ठा अष्टम पत्र	न्यायसिद्धान्तमुक्तावली (शब्दखण्ड मात्र)	100

18. सांख्ययोग

प्रतिष्ठा पंचम पत्र	पातञ्जलयोगसूत्र (व्यासभाष्य तत्त्ववैशारदी सहित, समाधि तथा साधन पाद)	100
प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र	सांख्यसार	100
प्रतिष्ठा सप्तम पत्र	श्रीमद्भगवद्गीता शांकर भाष्य (द्वितीयाध्याय मात्र)	100
प्रतिष्ठा अष्टम पत्र	सांख्यतत्त्वविवेचनम्	100

19. मीमांसा

प्रतिष्ठा पंचम पत्र	शास्त्रदीपिका (तर्कपाद)	100
प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र	शाबरभाष्यम् (1-2 अध्याय)	100
प्रतिष्ठा सप्तम पत्र	जैमिनीय न्यायमाला (1-3 अध्याय)	100
प्रतिष्ठा अष्टम पत्र	जैमिनीय न्यायमाला (4-8 अध्याय)	100

20. शांकर वेदान्त

प्रतिष्ठा पंचम पत्र	चतुःसूत्र्यन्त भामती	100
प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र	ईशावास्योपनिषद् (शांकर भाष्यसहित)	100
प्रतिष्ठा सप्तम पत्र	ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्यम् (4-5)	100
प्रतिष्ठा अष्टम पत्र	श्रीमद्भगवद्गीता (मधुसूदनी)	100

21. रामानुजवेदान्त

प्रतिष्ठा पंचम पत्र	ब्रह्मसूत्रानन्दभाष्यम् 100 (प्रथमाध्याय)	100
प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र	छान्दोग्योपनिषद् (1-5 अध्याय) (रामानुजभाष्य सहित)	100
प्रतिष्ठा सप्तम पत्र	छान्दोग्योपनिषद् (अध्याय 6 से समाप्ति पर्यन्त) (रामानुजभाष्य सहित)	100
प्रतिष्ठा अष्टम पत्र	श्रीमद्भगवद्गीता	100

22. माध्व वेदान्त

प्रतिष्ठा पंचम पत्र	मध्वमुखालंकार (वनमालि प्रणीत) (उत्तरार्द्ध)	100
प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र	ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्यम् (प्रथमाध्याय)	100
प्रतिष्ठा सप्तम पत्र	ब्रह्म सूत्र शांकर भाष्यम् (2-4 अध्याय)	100
प्रतिष्ठा अष्टम पत्र	श्रीमद्भगवद्गीता (मध्व सम्प्रदाय व्याख्या सहित)	100

23. वल्लभ वेदान्त

प्रतिष्ठा पंचम पत्र	सर्वनिर्णयार्थप्रकरणम् (वल्लभाचार्य प्रणीत)	100
प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र	ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्यम् (प्रथमाध्याय)	100
प्रतिष्ठा सप्तम पत्र	ब्रह्मसूत्रशांकरभाष्यम् (2--4 अध्याय)	100
प्रतिष्ठा अष्टम पत्र	श्रीमद्भगवद्गीता (वल्लभाचार्य टीका सहित)	100

24. शैवागम

प्रतिष्ठा पंचम पत्र	सिद्धन्तबिन्दुः	100
प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र	पंचदशी (1-2 अध्याय)	100
प्रतिष्ठा सप्तम पत्र	शिवार्कमणिदीपिका	100
प्रतिष्ठा अष्टम पत्र	त्रिपुरारहस्यम् (ज्ञानखण्ड मात्र)	100

25. जैन दर्शन

प्रतिष्ठा पंचम पत्र	शास्त्रवार्तासमुच्चय	100
प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र	प्रमाणमीमांसा	100
प्रतिष्ठा सप्तम पत्र	जैनतर्कभाषा	100
प्रतिष्ठा अष्टम पत्र	तत्त्वार्थाधिगमसूत्रम् (सभाष्यम्)	100

26. बौद्धदर्शन

प्रतिष्ठा पंचम पत्र	ललितविस्तरः	100
प्रतिष्ठा षष्ठ पत्र	लंकावतारसूत्रम्	100
प्रतिष्ठा सप्तम पत्र	प्रज्ञापारमिता	100
प्रतिष्ठा अष्टम पत्र	बौद्धतर्कभाषा	100

परिशिष्ट

परिशिष्ट- 1

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा व्यावसायिक शिक्षा के अन्तर्गत स्वीकृत "Functional Sanskrit" का पाठ्यक्रम एवं विशेष निर्देश

FUNCTIONAL SANSKRIT

व्यावसायिक-संस्कृत

1. शास्त्री सामान्य एवं प्रतिष्ठा के पाठ्यक्रम में द्वितीय शास्त्रीय विषय के रूप में Functional Sanskrit (व्यावसायिक संस्कृत) लिया जा सकता है, जिसमें प्रतिखण्ड चार पत्र होंगे। प्रति पत्र 100 अंकों का होगा। (द्वितीय शास्त्रीय विषय में केवल 100 अंकों का एक पत्र ही होता है, जबकि व्यावसायिक संस्कृत रखने पर 300 अंक अधिक रखने पड़ेंगे।)

2. व्यावसायिक संस्कृत के अध्यापन की स्वीकृति जिस महाविद्यालय को प्राप्त है, वहीं इसका अध्यापन होगा।

3. व्यावसायिक संस्कृत के पाठ्यांश में पत्र एक से चार तक शास्त्री सामान्य/प्रतिष्ठा के प्रथम खण्ड में, पत्र पाँच से आठ तक द्वितीय खण्ड में एवं पत्र 9 से 12 तक तृतीय खण्ड में रहेंगें।

4. व्यावसायिक संस्कृत के संबंध में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली का निर्देश उसी के शब्दों में नीचे दिया जा रहा है जिसमें इसकी आवश्यकता, उपादेयता, विधि, पाठ्यग्रंथ एवं इससे छात्रों को लाभ की पूरी जानकारी दी गई है:

FUNCTIONAL SANSKRIT

Common for each subject

1. Employment potential

Now people are at large becoming more & more conscious of performing religious rites and rituals. They desire also to know the meaning and significance of those rites and rituals. Even though they tolerate quacks in the field, they want to have well-versed persons to officiate as priests at such rites and rituals. But there is a paucity of priests, leave alone learned ones, who can perform manifold rites to the satisfaction of the house-holders who invite them to conduct the religious ceremonies, rites and rituals. Secondly there are many existing temples which require efficient priests to perform.

शास्त्री सामान्य/प्रतिष्ठा

worship of the deities and cater to the needs of various types of devotees visiting these temples. Many temples are being newly built and they too require educated and learned priests to perform the worship satisfactorily. Besides there are ever increasing opportunities here and outside needing such types of persons. Hence, if a graduate is trained in this course of "Indian Rituals and their heritage", he/she will have many

avenues open to make a decent livelihood and cater to needs of religiously inclined people. There by an important aspect of Indian culture will also become wide-spread.

2. Examination and Evaluation scheme:

Each Paper consists of 100 marks. In paper ist to X marks should be devided in to two parts:

(a) 50- Theory paper of two hours duration.

(b) 50- Practical-cum-oral of two hour's duration

Paper- XI - 100 marks. 3 hours duration.

The candidates should be ask to conduct a rite on his own invididually with all its details.

Paper-XII - 100 marks. 3 hour's duration.

The candidates should be divided into batches of four or five and one should be made the leader. He should be asked to perform a ritual by suitably distributing the work among the, remaining 3 or 4 and getting it done by them. Here they can dicate capacity to organise, supervise, find fault and correct should be judged. In these two papers, teacher's evaluation of the students is very important. He is free to devise other means, If need be, to judge the caliber and efficiency of each student.

3. Suggested combination of subjects

In almost all universities, 3 optional subjects are allowed to be offered to a student at the undergraduate level.

Those who offer Indian Rituals and their heritages as one of the three optional subjects should offer Sanskrit as one of the other two subjects. Because, the study of sanskrit will strengthen the study of Indian Rituals.

व्यावसायिक संस्कृत-पाठ्यक्रम

प्रथम खण्ड

1st Semester

प्रथम पत्र (Paper 1st)- 50+ 50 = 100

Course Contents

1. भारतीयसंस्कृतेः स्थूलपरिचयः।	(1) Indian wisdom-M.Willian
2. भारतीयसंस्कृतेः ग्राह्याणि तत्त्वानि।	(2) History of Dharmasastra, P.V. Kane
3. धार्मिकविधीनाम् उद्देशाः प्रयोजनानि च।	(3) Pranayama-Dr. K. S. Joshi
4. संध्यावन्दनम्।	(4)Eassy,lessons in elementary

5. प्राणायाम विधिः । Astrology-A kuppuswami

द्वितीय पत्र- 50+50 = 100 अंक

1. पंचांग परिचयः ।

2. ज्योतिःशास्त्रपरिचयः ।

3. जातकरचनाप्रकाशः

4. पुण्याहवाचनम्।

5. शांतिहोमाः

6. 17. Phonetics: The purity of diction melodious recitation required

Reference Works

(1) Indian wisdom-M.Willian

(2) History of Dharmasastra, P.V. Kane

(3) Pranayama-Dr. K. S. Joshi

(4)Eassy,lessons in elementary Astrology-A kuppuswam

5. ऋग्वेदीय ब्रह्मकर्मसमुच्चयः

6. कर्मठगुरुः (मुकुन्देवल्लभकृतः)

7. पञ्चाङ्गविज्ञानम्

8. ज्योतिषतत्त्वप्रकाशः

9. ज्योतिषरहस्य

10. मुहूर्तमार्तण्डः 6. Phonetics

11. मुहूर्त्तज्ञानम् The purity of diction

12. जातकपारिजातः and melodious recitation

13. बृहज्जातक required.

14. ज्योतिर्मयूख

15. जन्मकुंडली (निर्माण और अध्ययन)

. **Lecture schedule**

2 Hours per week per paper.

Practicals

4 Hours per week per paper.

On the - Job Training

The student should be taken for job-training to the ceremonies where these rituals are conducted. minimum visit of eight ceremonies per semester compulsory.

Second Semester

तृतीय पत्र Paper III. 50+50=100

Courses contents:

1. नित्याह्निकविधिविधानानि।
2. सामान्यदेवपूजाविधिः ।
3. षोडशोपचारपूजाविधिः ।
4. विशिष्टदेवपूजाविधिः ।
5. विविधदेवतासहस्रनामानि।

चतुर्थ पत्र Paper IV - 50 +50=100

Course Contents

1. षोडशसंस्काराणां सामान्यपरिचयः ।

2 वर्णाश्रमव्यवस्थायाः परिचयः।

3. संस्काराणाम् उद्देशः प्रयोजनश्च ।

4. गर्भाधानम्।

5. पुंसवनम्।

Reference Works

1. Evolution of Hindu ideals-Sir Sivaswamay Ayar
2. Oldlines of the religious literature of India - Dr. J.N Farquhar.
3. Ethics of India - Hopkins
4. Hindu Ethics - J. Mackenzie
5. देवपूजाविधि (निर्णयसागरप्रेस)।

6.सार्थषोडशसंस्काररत्नमाला।

7. षोडशसंस्कारविधिः।

8. नित्याचारपद्धति।

9. नित्याचारप्रदीपः।

10. धर्मकोशः।

Lecture Schedule

2. hours per week per paper

Practicals

4 hours per week per paper.

On-the-Job-Training

same as for first semester.

व्यावसायिक संस्कृत
2. द्वितीय खण्ड

III Semester

पंचम पत्र (Paper V)- 50+50 = 100

Curses contents:

1. अनवलोभनम्
2. सीमन्तोन्नयनम्
3. जातकर्म
4. नामकरण।
5. कर्णवेधः ।
6. अन्नप्राशनम्।
7. चूडाकर्म।
8. विद्यारम्भः।

षष्ठपत्र Paper VI- 50+50 = 100

1. उपनयनम्।
2. समावर्तनम्।
3. विवाहः।
4. अन्त्येष्टिः।
5. अपरकर्माणि।

Lecture Schedule

2. hours per week per paper

Practicals

4. hours per weck per paper

On-the-Job-Training

Same as for first semester.

Reference Works

(In addition to these mentioned against papers III & IV)

1. वीरमित्रोदयः ।
2. संस्कारप्रकाश।
3. धर्मसिन्धु ।
4. निर्णयसिन्धुः।
5. स्मृतिकौस्तुभः।

6. प्रयोग पारिजातः।

7. उपनयनपद्धतिः ।

8. ग्रहशान्तिविधिः।

9. ग्रहशान्तिप्रशमः।

10. अन्त्येष्टिश्राद्धकर्मपद्धतिः

11. अन्त्यकर्मदीपकः।

IV th Semester

सप्तमपत्र (Paper VII) 50+50 = 100

Course Contents

1. शवसंस्कारविधयः ।

2. श्राद्धभेदाः।

3 श्राद्धकालः।

4. सपिण्डीकरणम्।

5 श्राद्धाधिकारिणः ।

अष्टमपत्र (Paper VII) 50+50 = 100

Course Contents

1. भारतीयवास्तुशास्त्रस्य परिचयः ।

2. गृहनिर्माणविधिः ।

3. गृहप्रवेशः।

4. वास्तुशान्तिः ।

5. गृहस्थधर्माः ।

Reference Works

1. Ancient India as record by •Megasthenes-Maccn

2. Corporates life in Ancient . Indian- R. C. Majmudar

3. Mohenjo-daro -- John Ma

4.Yuan Chhang's Travel to India - transl. Watter

5. गरुडपुराणम्

6. मनुस्मृतिः

7. याज्ञवल्क्यस्मृतिः

8. वास्तुरत्नाकरः

9. वास्तुरत्नावली
10. शिलान्यासपद्धतिः
11. गृहनिर्माणव्यवस्था
12. श्राद्धकौमुदी
13. श्राद्धमयूखः
14. श्राद्धमंजरी

Lecture Schedule

2 houre per week per paper.

Practicals

4 hours per week per paper.

On the-job-training

same as for first semester.

व्यावसायिक संस्कृत

3. तृतीय खण्ड

V Semester

नवम पत्र Papr IX-50+50= 100 अंक

Course contents

1. मासानां वैशिष्ट्यं माहात्म्यं च।
2. तत्तन्मासे विहितानि कर्माणि।

अ. चैत्रमासः।

आ. वैशाखमासः।

इ. ज्येष्ठमासः।

ई. आषाढ़मासः।

दशम पत्र Paperx-50+50= 100 अंक

Course contents

2. तत्तन्मासे विहितानि कर्माणि।

उ. श्रावणमासः ।

ऊ. भाद्रमास

ऋ. आश्वयुजमासः।

ॠ.कार्तिकमासः।

ऌ. मार्गशीर्षमासः।

ए. पौषमासः।

ऐ. माघमासः।

ओ. फाल्गुनमासः ।

Referane work

1. व्रतराज:
2. व्रतकौमुदी
3. वर्षकृत्यदीपकः
4. पुरुषार्थचिन्तोमणिः
5. नैमित्तिककर्मसंग्रहः

Lecture Schedule

2 houre per week per paper.

Practicals

4 hours per week per paper.

On the-job-training

During this semester, a minimum of 10 ceremonies should be witnessed and participated by the students. The teacher should take the students to witness and participate in at least one ceremony per month (i.e. 12 months 12 ceremonies) even before and after the semester.

VI. Semester

एकादश पत्र Paper X1 - 100 अंक

Course contents

1. मूर्तिप्रतिष्ठापनाविधिः, तदंगसकलकृत्यानि।
2. भारतीयानां जीवने व्रतानां स्थानं, तत्पालनं च ।
3. व्रतानां वैविध्यम्।
4. तेषां सामान्यपरिचयः ।
5. सत्यनारायणपूजाव्रतम्

द्वादश पत्र Paper XII - 100 अंक

Course contents

6. गणपतिपूजाव्रतानि।
7. स्वर्णगौरीपूजावतम्।
8. लक्ष्मीपूजाव्रतम्।
9. सरस्वतीपूजाव्रतम्।
10. शिवपूजाव्रतम्।
11. आञ्जनेयपूजाव्रतम्।

12. तत्तद्देशे प्रचलितानीतरव्रतानि ।

Reference Works

1. सर्वदेवप्रतिष्ठाप्रकाशः
2. प्रतिष्ठामयूखः
3. प्रतिष्ठामहोदधिः
4.. व्रतचन्द्रिका
6. शिवार्चन पद्धतिः
7. शिवपूजनविधिः

Lecture Schedule

2 hours per week par paper.

Practicals

2 hours per week per paper

On the job training

The students should be taken out to organise and to supervise the conduct of rites. They must be given intensive training in this aspect. There will not be any theory examination for them. Their capacity will be judged regarding the organisation and supervision. Hence, the teacher is given freedom during thIs Semester to train the students acordingly.

Infrastructure Required

This is a teacher-centred course. The teacher is the king-pin. He must train up the student to become within three years a perfectly efficient and Well-acquainted officiating priest. Only because of this, he has been given freedom to evaluate the performance of he student in the last semester. Hence man-power is most important and essential in running this course. Atleast two Pandits who have undergone traditional training and who posses sufficient experience in the actual performance of rituals should be appointed in the initial stages. During the third year, one more should be appointed. All these must be treated as Lecturers or equivalent to Lecturers in First Grade or Degree Colleges for fixing their salary and for other service conditions.

Much space is not required. But a secluded place should be provided to conduct practicals which involves reciting and learning by heart Vedic Mantras and Sanskrit shlokas and Passages.

The Departement should consist of:

1. Two (or three) Pandits.

2. One clerk-cum-typist.

3. one Peon.

4. Audio Visual incharge

infrastructure

1. Audio-Video

2. Cassettes to be prepared

1. Suggestions for implementation of the scheme by U.G.C.

The U.G.C., should provide 100% funds to colleges where this course is to be introduced.

SUGGESTIONS FOR IMPLEMENTATION OF "FUNCTIONAL SAN. SANSKRIT" (VOCATIONAL COURSE IN SANSKRIT) FOR UNDER GRADUATE CLASSES

1. U. G. C.

The U.G.C. should provide 100% funds to colleges where the course is introduced.

2. UNIVERSITIES

The Universities should select as a beginning at least one college in one District under their jurisdiction where the existing conditions are convenient to start this course. The colleges where Sanskrit is one of the three optional subjects should be selected. Afterwards, the course may be extended to other places/colleges in gradual manner

3. ELIGIBILITY FOR ADMISSION

Those who have passed P.U.C. or equivalent examination with Sanskrit as one of the subjects are eligible to offer "Functional Sanskrit" as one of the optional subjects.

4. PERMISSIBLE COMBINATION OF SUBJECTS

In almost all universities, three optional subjects are allowed to be offered to a student at the undergraduate level.

Those who offer **'Functional Sanskrit'** as one of the three optional subjects should offer Sanskrit as one of the other two subjects. Because, the study of Sanskrit Language and literature will help the study of topics under **'Functional Sanskrit'.**

5. STAFF REQUIRED

This is a teacher-centred course. The teacher is the king-pin. He must train up the student to become, within three years, a perfectly efficient and well-acquainted officiating priest.

At least 2 Pandits who have undergone traditional training and who possess sufficient experience in the actual performance of rituals should be appointed in the initial stages. During the third year, one more should be appointed. All these must be treated as Lecturers or equivalent to Lecturers in First or Degree Colleges for fixing their salary as well as other allowances and service conditions.

The Department should consist of:

1. One Pandit or Reader/Lecturer
2. One Clerk-cum-typist
3. One Peon

Rs. 1,00, 000/

6. UNIT COST FOR 30 STUDENTS

Books & Journals	Rs. 10,000/
Equipment	Rs. 5,000/
Audio & Video Cassettes	Rs. 1,00,000/

BUILDING

Much space is not required. But a secluded place should be provided to conduct practicals which involve reciting and learning by heart Vedic Mantras Sanskrit verses and Sanskrit passages.

However, in course of time a separate building may be constructed.

परिशिष्ट- 2

संगणक विज्ञान (Computer) एवं क्रियात्मक अंग्रेजी (Functional English) पाठ्यक्रम के लिए विशेष निर्देश

संगणक विज्ञान एवं क्रियात्मक अंग्रेजी पाठ्यक्रम

1. यह पाठ्यक्रम 2002-03 सत्र से त्रिवर्षीय शास्त्री सामान्य एवं प्रतिष्ठा परीक्षा से प्रवृत्त होगा । वर्तमान समय में रोजगारोन्मुखी शिक्षानीति की दृष्टि से यह पाठ्यक्रम प्रारंभ किया गया है ।

2. इस पाठ्यक्रम को लागू करने से पूर्व महाविद्यालयों को विश्वविद्यालय से अनुमति लेना आवश्यक होगा।

3. प्रतिखण्ड संगणक विज्ञान का एक पत्र एक सौ अंकों का होगा । जिसमें 75 अंक लिखित तथा 25 सैद्धान्तिक तथा 25 अंक व्यावहारिक परीक्षा के होंगे। लिखित/सैद्धान्तिक में उत्तीर्णाङ्क 23 अंक तथा व्यावहारिक में 10 अंक होगा।

4. लिखित/सैद्धान्तिक परीक्षा की अवधि तीन घंटे की होगी तथा व्यावहारिक परीक्षा की अवधि तीन घंटे की होगी।

5. शास्त्री सामान्य प्रथम खण्ड, द्वितीय खण्ड एवं तृतीय खण्ड में संगणक-विज्ञान षष्ठ पत्र में निर्धारित रहेगा । संगणक विज्ञान विषयक छात्रों को आधुनिक विषय के रूप में पञ्चम पत्र का विषय 'क्रियात्मक अंग्रेजी' रखना अनिवार्य होगा।

6. शास्त्री प्रतिष्ठा प्रथम खण्ड एवं द्वितीय खण्ड में संगणक विज्ञान सप्तम पत्र में निर्धारित किया गया है । संगणक विज्ञान विषयक छात्रों को पञ्चमपत्र में आधुनिक विषय के रूप में क्रियात्मक अंग्रेजी रखना अनिवार्य होगा।

7. शास्त्री प्रतिष्ठा तृतीय खण्ड में संगणक विज्ञान सप्तम पत्र में निर्धारित किया गया है। संगणक विज्ञान विषयक छात्रों को अनिवार्य द्वितीय पत्र में क्रियात्मक अंग्रेजी रखना अनिवार्य होगा।

कामेश्वरसिंह-दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा (बिहार) की परीक्षाओं की मान्यता तथा उपाधियों एवं प्रमाणपत्रों की समकक्षता सम्बन्धी राज्य एवं केन्द्र सरकार के पत्र

(1)

Government of India
Principal of Personnel, Public Grievances and Pensions
(Department of Personnel and Training)

New Delhi
110001

Estlab (4) No.- 140213/97 May 4, 1998

OFFICE MEMORANDUM.

Subject: Equivalence of Qualification awarded by Kameshwar Singh Darbhanga Sanskrit University, Darbhanga, Bihar

The Undersigned is directed to say that Government of India have decided to recognise the following examinations conducted by Kameshwar Singh Darbhanga Sanskrit University, Darbhanga (Bihar) as equivalent to educational qualifications in the general set up of education as indicated against each, for the purpose of employment under the Central Government.

S. No.	Examination	Duration of the Course	Conducted Since	Equivalence
1.	Upashastri	2 Years	1981	Intermediate
2.	shastri (Pass)	3 Years	1980	B.A.
3.	Shastri (Pratishtha) (Hons)	3 Years	1980	B.A. (Hons)
4.	Acharya	2 Years	1980	M. A.
5.	Vida varid hi	2 Years	1963	Ph.D.
6.	Vi dyavachaspati	2 Years	1963	D. Litt.

Ministries Departments are requested to bring these instructions to the notice of all concerned for guidance.
Hindi Version will follow.

Sd/
(K. K. Jha)
DIRECTOR (Establishment)

1. All Ministries Departments of the Government of India.
2. All State/Union Territory Government/ Administrations.
3. Rajya Sabha, Lok Sabha Secretariats.
4. Union Public Service Commission.

5. Staff Selection Commission.
6. Office of the controller and Auditor General of India
7. Department of Education with reference Io their letter No. F2/1697TS. Ill (A) dated January 9, I998
8. Association of Indian Universities A. I. U. Houge, 16 Kotla Road, New Delhi.
9. The Registrar, Kameshwar Singh Darbhanga Sanskrit University, Darbhanga (Bihar)
10.All Sections Of the DOP & T
11. All Attached subordinate offices under the DOP & T

(2)

सं० 14021/3/97

भारत-सरकार

कार्मिक, लोक शिकायत तथा पेंशन-मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशिक्षण-विभाग)

नई दिल्ली, 11000

दिनांक- मई, 04.1998

कार्यालय-ज्ञापन

विषय:- कामेश्वर सिंह दरभंगा संसकृत विश्वविद्यालय, दरभंगा, बिहार द्वारा प्रदान की जाने वाली शैक्षिक उपाधियों की समकक्षता।

अधोहस्ताक्षरी को यह कहने का निर्देश हुआ कि भारत-सस्कार ने ने कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय (बिहार) द्वारा संचालित निम्नलिखित परीक्षाओं को केन्द्र सरकार के तहत रोजगार के प्रयोजन से प्रत्येक के सामने यथा-निर्दिष्ट शिक्षा की आम व्यवस्था में शैक्षिक उपाधियों के समकक्ष मान्यता प्रदान करने का निर्णय लिया है।

क्र. सं.	परीक्षा	पाठ्यक्रम की अवधि	संचालन वर्ष	समकक्षता
1.	उपशास्त्री	2 वर्ष	1981	इण्टरमीडियेट
2.	शास्त्री (पास)	3 वर्ष	1980	बी. ए.
3.	शास्त्री (प्रतिष्ठा) (ऑनर्स)	2 वर्ष	1980	बी. ए. (ऑनर्स)
4.	आचार्य	2 वर्ष	1963	पीएच. डी.
5.	विद्यावारिधि		1963	डी. लिट्
6.	विद्यावाचस्पति			

मंत्रालयों/विभागों से अनुरोध है कि वे इन अनुदेशों को मार्ग दर्शन के लिए सभी संबन्धितों की जानकारी में ला दें।

ह. /-

(के. के. झा)

निदेशक (स्थापना)

1. भारत सरकार के सभी मंत्रालय/विभाग

2. सभी राज्य/संघ क्षेत्र सरकारें/प्रशासन

3. राज्यसभा/लोकसभा सचिवालय

(3)

No. VI-M7010/63E-374 Education Department

RESOLUTION

The 29th March 1963

Subject: Equivalalence of the various Sanskrit degrees and diplomas awarded by the former Bihar Sanskrit Association and the K. S. D. S. Vishwavidyalaya with those of the degrees and diplomas awarded by the Bihar School Examination Board/other Universities in the State.

The Question of determination of equivalence of the various Sanskrit degrees and diplomas awarded by the K.S.D.S Vishwavidyalay, Darbhanga and the former Bihar Sanskrit Association in terms of the degrees and diplomas-awarded by the Bihar School Examination Board and other University of the State has been under the active consideration of the State Government for some time past with the introduction of the new syllabus for Sanskrit in various Sanskrit institution it was felt all the more desirable that this question be decided as quickly as possible so that holders of Sanskrit degrees, diplomas and certificates may get proper considertion for the purposes of appointment to various public service and admission to various institutions of higher learning.

After careful consideration of the matter, the State Govt. in consultation with public services commission. Bihar have been pleased to decide the equivalence of various Sanskrit degrees detailed below :-

(A) For the purpose of appointment to the public services.

Navin Sistem

Name of Sanskrit degrees and diplomas and cerificates	Name of degrees and diplomas to which deemed equivalent	
	For Sanskrit Teaching and Inspection of Sanskrit Institution only	For the Appointment
Prathama (11)	Middle	Middle

Uttar Madhyama (11) Without English	Matriculation or S. S. Examination	Under Matric
Uttar Madhyama (11) With English	Matriculation or S. S. Examination	Matric or S. S. Examination
Shastri (Without English)	B. A.	Pre University or Higher Secondary
Shastri (With English)	B. A.	I. A. or B. A. (Part- 1)
Acharya (Without English at Shastri Stage)	M. A. (Sanskrit)	I. A. or B. A. (Part- 1)
Acharya (With English at Shastri Stage)	M. A. (Sanskrit)	B. A.

Prachiin Sistem

Name of Sanskrit degrees and diplomas and cerificates	Name of degrees and diplomas to which deemed equivalent	
	For Sanskrit Teaching and Inspection of Sanskrit Institution only	For Appointment
Prathama	Middle	Middle
Madhyama	Matriculation or S. S. Examination	Undre Matric
Shastri	I. A. or B. A. (Part- 1)	Matric or S. S. Examination
Acharya	B. A. (Hons) Sanskrit	I. A.
Acharya (With pass in Ebglish of Navin Shastri or eqivalent Standard)	M. A. (Sanskrit)	B. A.

As for as the Sanskrit pundits having Dip-in-Ed. Quailifictions are concerned the diploma would be deemed to be in addition to their basic qualifications as per equivalence stated above.

(b.) For admissions to higher course and purpose

The state Governments should take up the matter separately with the university

departments of Government about to take early step for amendment of all the rules relating to requirement to the different posts and services.

Order: Ordered that the resolution be published in the Bihar Gazette and that a Copy be forwarded to the Director of Public Instruction Bihar> All Departments of Governments, All Heads of Departments for infomatition and neccessary action.

By order of the Governor of Bihar
Sd/-
(R.P. Prasad)
Deputy Secretary

(4)

No.F.46-l/63-S.U.

Government of India, Ministry of Education. (Department of Education)

New Delhi, dated 23rd January 1964

From:

Shri P. N. Dhir

Deputy Secretary to the Government of India.

To,

Education Secretaries all the State Governments Union

Territory Government/ Administrations and Registrars of all Universities

Subject:- Equivalence of Sanskrit Examination.

Sir,

I am directed to say that the Central Sanskrit Board which advises the Government all matters relating to the development of Sanskrit have recommended.

That it May be impressed upon all the Universities that they should employ at least one traditional Sanskrit Scholar and the Scholar so employed should enjoy the same status and Pay-scale as his counterparts trained on modern lines with equivalent degrees.

(b) That the eployment of traditional Sanskrit Scholar Pandit in High/ Higher Secondary Schools/ Colleges also be given due encouragement. Teachers so employed should be treated on a par with other teachers possessing equivalent Qualifications of the general educational set up.

The suggestions of the Board have been accepted by Government of India. It would be appreciated if due consideration is given to these suggestions by the state Governments/Union Territory Governments/ Administrations/ Universities.

I am also to send here with a copy of the statement showing the name of the examining bodies, name of Sanskrit examination conducted by them the equivelance of the Latter with examinations in the general educational set up, for guidance in matters of employment of Sanskrit Pandits in Universities. Secondary Higer Secondary Schools/Colleges. This Ministry may please be informed of the action taken in the matter in due course.

Kindly acknowledge receipt of this letter.

Yours Faithfully

Sd/-

(P.N. Dhir)

Deputy Secretary

(5)

P.R.M 28/29.4.64

Statement showing the names of the Examining Bodies, Name of Sanskrit Examinations conducted by them and the eqievalence of the latter with Examination in the General Educational set up.

(b.) PRACHIN-SYSTEM

Name of the Examining Body	Name of the Examination	Equivalence Examination in the general Education setup
(i)	(ii)	(iii)
1. Varanaseya Sanskrit Vishvavidyalaya. Varanasi	Prathama Madhyama Shastri ' Acharaya Siksha$_7$Shastri	Lower Secondary 1 Higher Secondary B.A. M.A. B.Ed. (or) B.T.
2. Bihar Sanskrit Association Patna and Kameshwar Singh Uarbhanga Sanskrit University Darbhanga	Prathama Madhyama Shastri Acharaya	Lower Secondary 1 Higher Secondary B.A. M.A.
3. M.S. Universiry, Baroda	Upadhyaya Visharada Acharya	Lower Secondary Higher Secondary B.A.
4. University of Madras, Madras-Anna ma] ai University, Annamalai	Siromani' (Pre) Siromani (Final)	B.A. M.A.